



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 195]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 6, 2014/श्रावण 15, 1936

No. 195]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 6, 2014/SHRAVANA 15, 1936

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 अगस्त, 2014

अंतिम जांच परिणाम

विषय : ताईवान और यूएसए के मूल के अथवा वहां से निर्यातित फिनाल के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच - अंतिम जांच परिणाम

सं.14/17/2012-डीजीएडी-समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और उसके अंतर्गत बने, समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए।

क. पृष्ठभूमि एवं प्रक्रिया

1. निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है :

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स हिन्दुस्तान आर्गनिक कैमिकल्स लिमिटेड (जिसे एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) से एक लिखित आवेदनपत्र चाइनीज टाइपेई और यूएसए (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित फिनाल के पाटन का आरोप लगाते हुए एक आवेदनपत्र प्राप्त हुआ है।

- (ii) इस आवेदन की प्रारंभिक संवीक्षा के कुछ कमियां सामने आईं जिनमें आवेदक ने बाद में सुधार कर दिया। इसलिए इस आवेदनपत्र को समुचित रूप से प्रलेखबद्ध माना गया।
- (iii) प्राधिकारी ने जांच की कार्यवाही शुरू करने से पहले पाटन के आरोप की प्राप्ति के बारे में संबद्ध देशों के भारत स्थित राजदूतावासों को पाटनरोधी नियमावली के उप-नियम 5(5) के अनुसार सूचना प्रेषित की।
- (iv) प्राधिकारी ने जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात के विरुद्ध एक जांच प्रारंभ करने का निश्चय किया।
- (v) प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच प्रारंभ करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में दिनांक 07 मई, 2013 को प्रकाशित एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया।
- (vi) प्राधिकारी ने इस सार्वजनिक नोटिस की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके विवरण आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और उद्योग एसोसिएशनों को प्रेषित की और पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार अपने विचार लिखित रूप में व्यक्त करने के लिए उन्हें अवसर प्रदान किया।
- (vii) प्राधिकारी ने इस सार्वजनिक नोटिस की एक प्रति भारत में संबद्ध वस्तु के सभी ज्ञात आयातकों को भी प्रेषित की और उन्हें सुझाव दिया कि वे इस पत्र की तारीख से चालीस दिनों के अंदर अपने विचार लिखित रूप में व्यक्त करें।
- (viii) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार आवेदनपत्र के अगोपनीय पाठ की एक प्रति भारत में संबद्ध देशों के राजदूतावासों और ज्ञात निर्यातकों को प्रेषित की। इस आवेदनपत्र की एक प्रति, अनुरोध किए जाने पर, अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी प्रदान कराई गई।
- (ix) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना उपलब्ध कराने के लिए प्रश्नावलियां भेजीं :

मैसर्स डिकोटा गैसीफिकेशन कंपनी 1600 ईस्ट इंटरस्टेट एवेन्यू पोस्ट बॉक्स संख्या 5540 बिस्मार्क एनडी 58506-5540, यूएसए	मैसर्स डी ओ डब्ल्यू कैमिकल कंपनी (979) 238-2011 2301 एन ब्राजोस्पोर्ट बिल्ड फ्रीपोर्ट टीएक्स 77541, यूएसए
मैसर्स जार्जिया गल्फ पसादेना 3503, पसादेना फ्रीवे पोस्ट बॉक्स सं. 1959 जिप 77501, पसादेना टेक्सास, यूएसए	मैसर्स शेल कैमिकल्स डीयर पार्क कैमिकल प्लांट एंड रिफायनरी 5900 हाइवे 225, डीयर पार्क टेक्सास यूएसए
मैसर्स फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन फोरमोसा प्लास्टिक्स ग्रुप 201, टंग हवा नार्थ रोड ताइपेई (ताइवान राक.) ताइवान	ताइवान प्रासपैरिटी कैमिकल कारपोरेशन 9एफ, सं. 113, चंग शान एन रोड, सेक्टर 2, चाइनीज ताइपेई, ताइवान
चेंग चुन प्लास्टिक कंपनी लिमिटेड (सीसीपी) 301, सांगकियांग रोड, 7वां तल, ताइपेई 104, ताइवान	

मैसर्स ताईवान प्रास्पैरिटी कैमिकल कारपोरेशन (टीपीसीसी) (उत्पादक एवं निर्यातक), मैसर्स कोलमर ग्रुप एजी, स्विटजरलैंड, (निर्यातक) और मैसर्स फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन ("एफसीएफसी") (उत्पादक एवं निर्यातक) ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है।

(x) भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं को पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार प्रश्नावलियां आवश्यक सूचना मांगते हुए भेजी गई :

आयातक एवं उपभोक्ता	आयातक एवं उपभोक्ता
मैसर्स सी. जे. शाह एंड कंपनी 105, बजाज भवन 10वां तल, नरीमन प्वाइंट, मुंबई-400021	मैसर्स हरीश कुमार एंड कंपनी एकमे प्लाजा 405, चौथा तल, एम. वासन जी मार्ग विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई-400056
मैसर्स पीसीएल ऑयल एंड इंडस्ट्रीज एम-105, कनाट प्लेस, नई दिल्ली-110001	मैसर्स कान्तिनाल मणिलाल एंड कंपनी प्रा. लि. एपीजे चैम्बर्स, प्रथम तल, वालैस स्ट्रीट, फोर्ट मुंबई-400001
मैसर्स सोनकमल इंटरप्राइजेज 602, छठा तल, सुनील एन्क्लेव, साहर पेरिया हिल रोड, अंधेरी (पूर्व), मुंबई-400099	मैसर्स खेतान ब्रदर्स सी-17, डालिया इंडस्ट्रियल एरिया आफ न्यू लिंक रोड लक्ष्मी इंडस्ट्रियल एस्टेट के पीछे अंधेरी (पश्चिम) मुंबई-400058
मैसर्स शुभम डाईज एंड कैमिकल्स लिमिटेड 1/26, रूप नगर, दिल्ली-110007	मैसर्स एकान इंटरप्राइजेज प्लाट सं. 218-219/3 जी आई डी सी, नरोदा, अहमदाबाद पिन कोड - 382330, गुजरात
मैसर्स नाइकनावारे कैमिकल्स लिमिटेड 1, विद्या भवन, 121, केलुस्कर रोड शिवाजी पार्क, दादर (पश्चिम) मुंबई (महाराष्ट्र)	मैसर्स पारस डाईज एंड कैमिकल्स 12वां तल, विजया बिल्डिंग 17, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली-110001
मैसर्स टोरेट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, आश्रम रोड, अहमदाबाद रोड -380009, गुजरात	मैसर्स यूनाइटेड फास्फोरस लिमिटेड इआदिमनी टैरेस, 167, डॉ. एनी बेसेंट रोड वर्ली, मुंबई-400018
मैसर्स रेजिन्स एंड प्लास्टिक्स लिमिटेड क्रॉस रोड बी, मुंबई-400093	मैसर्स कैलाश पालीमर्स 60, कृष्णा मार्केट, कालकाजी, नई दिल्ली
मैसर्स सेंट्रम मेटालिक्स प्राइवेट लिमिटेड डब्ल्यू-228, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया कोपर खैराने, एम आई डी सी, नवी मुंबई-400 703	मैसर्स वंडर लैमिनेट्स प्राइवेट लिमिटेड 14, भाषा डायमंड हार्बर रोड कोलकाता
मैसर्स मेघदेव इंटरप्राइजेज तृतीय तल, श्री काम्प्लेक्स	मैसर्स सतगुरु इंटरनेशनल 204-डी, पाकेट-12, जसोला विहार

श्रीनगर सोसायटी, सरदार पटले रोड (स्टेडियम रोड) नवरंगपुरा, अहमदाबाद	अपोलो अस्पताल के पीछे, नई दिल्ली
मैसर्स हाई पालीमर लैक्स लिमिटेड 803 विशाल भवन, 95, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली	मैसर्स रेनवो कलर्स एंड कैमिकल्स 14/क, भाविक काम्पलेक्स घोड डोड रोड, सूरत, गुजरात
मैसर्स ब्लिच मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड 120, ब्लिच कैम कम्पाउंड निकट चन्दोला, अहमदाबाद	मैसर्स कारमेन इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड 31ए/20, एन पी, सिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट, चेन्नई
मैसर्स कृष्णा एंटी आक्सीडेंट्स प्राइवेट लिमिटेड लोप्स मानेर, आई सी कालोनी, निकट चन्द्रा हाउस, मुंबई	मैसर्स एन जी पी इंडस्ट्रीज लिमिटेड एम-13, पुंज हाउस, नई दिल्ली
फार्मसन फार्मास्युटिकल गुजरात लिमिटेड 5वां तल कामर्स सेंटर सायाजीगंज, बड़ौदा	मैसर्स इंडिया ग्लायकोल लिमिटेड सी-124, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1, नई दिल्ली
सिंह प्लास्टीसाइजर्स एंड रेजिन्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड बी-216,, तृतीय तल, सोमदत्त चैम्बर्स-1 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली	मैसर्स नेशनल प्लाईवुड इंडस्ट्रीज लिमिटेड 5 फैंसी लेन, 700 001, कोलकाता
कुंदन राइस मिल्स लिमिटेड डी-17, सेंचुरी मार्केट प्रशांत विहार, दिल्ली-110085	

(xi) निम्नलिखित आयातकों एवं प्रयोक्ताओं ने इस जांच शुरूआत अधिसूचना का प्रत्युत्तर दिया :

- क. दि इंस्टीट्यूट आफ इंडियन फाउंड्रीमैन
- ख. इंडियन लैमिनेट मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन
- ग. सेंचुरी प्लाईवुड (इंडिया) लिमिटेड
- घ. मैसर्स संदीप आर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड

(xii) मैसर्स सेंचुरी प्लाईवुड (इंडिया) लिमिटेड के अलावा अन्य किसी भी आयातक/उपभोक्ता ने आयातक प्रश्नावली का प्रत्युत्तर नहीं दिया। उपर्युक्त के मद्देनजर, अन्य सभी आयातकों को असहयोगकर्ता के रूप में माना गया है।

(xiii) प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम 5 मार्च, 2014 को जारी किया और उसकी एक प्रति वेबसाइट पर अपलोड की गई। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को संगत सूचना मौखिक रूप से व्यक्त करने का अवसर प्रदान करने के लिए नियम 6(6) के अनुसार दिनांक 19 जून, 2014 को एक मौखिक सुनवाई का आयोजन किया। इस मौखिक सुनवाई में भाग लेने वाले हितबद्ध पक्षकारों को सुझाव दिया गया कि वे मौखिक रूप में प्रस्तुत की गई सूचना को लिखित रूप में प्रस्तुत करें। हितबद्ध पक्षकारों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए विचारों/सूचना की प्रति-प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने की भी अनुमति दी गई। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रस्तुतिकरणों पर समुचित रूप से विचार किया है।

- (xiv) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय पाठ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए सार्वजनिक फाइल के रूप में रखकर उपलब्ध कराया।
- (xv) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना की गोपनीयता की पर्याप्तता के दावे के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां कहीं आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया और उक्त सूचना को गोपनीय के रूप में माना गया तथा उसका अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन नहीं किया गया। जहां कहीं संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकारों को यह निदेश दिया गया कि वे गोपनीय आधार पर फाइल की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ भी उपलब्ध कराएं।
- (xvi) इसके अतिरिक्त, आवेदक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों से जरूरी समझी गई सीमा तक अन्य सूचना भी मांगी गई।
- (xvii) भारत में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर संबद्ध वस्तु को बनाने तथा उसकी बिक्री करने की लागत तथा उत्पादन लागत के आधार पर गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर किया गया है ताकि यह सुनिश्चय किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (xviii) यह जांच जनवरी, 2012 से प्रारंभ करके दिसम्बर, 2012 तक की अवधि (पीओआई) के लिए की गई। क्षति विश्लेषण के संबंध में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2009- मार्च, 2010, अप्रैल 2010- मार्च, 2011, अप्रैल, 2011-मार्च, 2012 तथा जांच की अवधि को भी शामिल किया गया है।
- (xix) नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए आवश्यक माने गए तथ्यों/आधारों का प्रकटन दिनांक 23 जुलाई, 2014 को जारी प्रकटन विवरण के तहत सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को कर दिया गया और उन पर प्राप्त टिप्पणियों का प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई सीमा तक इस अधिसूचना में निराकरण कर दिया गया है। निम्नलिखित पक्षकारों ने प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां प्रस्तुत कीं :
1. घरेलू उद्योग
 2. मैसर्स दि इंडस्ट्रीट्यूट आफ इंडियन फाउंड्रीमैन
 3. मैसर्स सेंचुरी प्लाईवुड (इंडिया) लिमिटेड
 4. मैसर्स संदीप आर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
- इस अधिसूचना में *** हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का प्रतिनिधित्व करता है और प्राधिकारी द्वारा नियमों के अंतर्गत उसे वैसा ही माना गया है।
- (xx) जांच की अवधि के दौरान यूएस डालर से रूपए में विनिमय दर को सीमाशुल्क आंकड़ों के अनुसार 53.69 रूपए के रूप में माना गया है।

ख. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

घरेलू उद्योग के विचार

2. घरेलू उद्योग के विचार निम्नलिखित हैं :-

(क) विचाराधीन उत्पाद यूएसए और चाइनीज ताइपेई में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित फिनाल है।

(ख) फिनाल एक आधारभूत जैविक रसायन होता है जिसे सामान्यतः सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। इस उत्पाद का विपणन दो रूपों में किया जाता है – बल्क और पैक्ड रूप में। बल्क बिक्री सामान्यतः खुले (लूज) रूप में होती है, जबकि पैक्ड खेपें काफी कम भार के कंटेनरों और सामान्यतः पैक किए गए ड्रमों में होती हैं। फिनाल का प्रयोग फिनाल फार्मेल्टीडाईड रेजिन्स, लैमिनेट्स, प्लाईवुड, पार्टिकल बोर्ड्स, बिस्फेनाल-ए, अल्काइल फेनाल्स, फार्मास्युटिकल्स डाइफिनायल आक्साइड आदि में किया जाता है। इस उत्पाद को सीमाशुल्क प्रशुल्क के शीर्षक संख्या 29071110 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

3. किसी भी अन्य आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक या अन्य हितबद्ध पक्षकार ने इस विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संदर्भ में कोई अन्य टिप्पणी या प्रस्तुतिकरण नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

4. विचाराधीन उत्पाद यूएसए और चाइनीज ताइपेई में उदभूत अथवा वहां से निर्यातित फिनाल है। फिनाल एक आधारभूत जैविक रसायन होता है जिसे सामान्यतः सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। इस उत्पाद का विपणन दो रूपों में किया जाता है बल्क और पैक्ड रूप में। बल्क बिक्री सामान्यतः खुले (लूज) रूप में होता है, जबकि पैक्ड खेपें काफी कम भार के कंटेनरों और सामान्यतः पैक किए गए ड्रमों में होती हैं। फिनाल का प्रयोग फिनाल फार्मेल्टीडाईड रेजिन्स, लैमिनेट्स, प्लाईवुड, पार्टिकल बोर्ड्स, बिस्फेनाल-ए, अल्काइल फेनाल्स, फार्मास्युटिकल्स, डाइफिनायल आक्साइड आदि में किया जाता है। इस उत्पाद को सीमाशुल्क प्रशुल्क के शीर्षक संख्या 29071110 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, यह सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह किसी भी रूप में वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

5. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में समान वस्तु को निम्नवत परिभाषित किया गया है :

"कोई वस्तु जो भारत में जांच की जा रही जांचाधीन वस्तु के सभी तरह से समान या समरूप हो या किसी ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य वस्तु, जो यद्यपि सभी रूपों में समान न हों परंतु उसमें वह सभी गुणधर्म हों जो जांच के अधीन वस्तु में हों।"

6. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु भारत में आयात किए जा रहे विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि आवेदकों के उत्पाद और संबद्ध देशों से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है और दोनों उत्पाद गुणधर्मों जैसे भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्म, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, प्रकार्य एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तु के प्रशुल्क वर्गीकरण के रूप में तुलनीय हैं। आवेदक द्वारा उत्पादित की जा रही संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई भारी अंतर नहीं है और दोनों ही तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं।

7. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु दोनों ही अभिलक्षणों के रूप में जैसे भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्म, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, प्रकार्य एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तु के प्रशुल्क वर्गीकरण के रूप में तुलनीय हैं। आवेदक द्वारा उत्पादित की जा रही संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई भारी अंतर नहीं है और दोनों की तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप

से प्रतिस्थापनीय है। उपभोक्तागण इन दोनों ही वस्तुओं का प्रयोग अंतर्निमेय रूप से कर रहे हैं। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद दोनों को पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत समान घरेलू वस्तु के रूप में माना जा रहा है।

ग. घरेलू उद्योग का दायरा एवं आधार

घरेलू उद्योग के विचार

8. घरेलू उद्योग के विचार निम्नलिखित हैं :

- (क) यह याचिका मैसर्स हिन्दुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लिमिटेड द्वारा दायर की गई है और मैसर्स एस आई ग्रुप इंडिया लिमिटेड द्वारा उसका समर्थन किया गया है। तथापि, इसके उपरांत, मैसर्स एस आई ग्रुप ने प्राधिकारी को संपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की है।
- (ख) मैसर्स एस आई ग्रुप इंडिया लिमिटेड और एच ओ सी एल संबंधित उत्पाद के एकमात्र घरेलू उत्पादक हैं और इसलिए वे उनका उत्पादन भारतीय घरेलू उत्पादन के 100 प्रतिशत का उत्पादन बनता है।
- (ग) मैसर्स एस आई ग्रुप इंडिया लिमिटेड ने इस संबद्ध वस्तु का ताईवान और यूएसए से आयात शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत तथा सीमाशुल्क का भुगतान करके दोनों तरह से किया है। तथापि, यह सभी आयात केवल ग्राही खपत के लिए किए गए हैं न कि बिक्री करने के लिए।
- (घ) भारतीय उत्पादन, भारत में कुल आयात और मांग के संबंध में एस आई ग्रुप द्वारा किए गए आयात बहुत कम हैं और इसलिए मैसर्स एस आई ग्रुप को पात्र घरेलू उद्योग के रूप में माना जाना चाहिए।
- (ङ) नियम 2(ख) को दिनांक 01 दिसम्बर, 2011 में संशोधित किया गया है और इस नियम में शब्द "एकमात्र" का विलोपन विशिष्ट रूप से यह स्पष्ट करने के लिए किया गया है कि इन मामलों में निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने विवेक का प्रयोग कर सकते हैं। यह तथ्य कि इस नियम ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को अपने विवेक का उपयोग करने का अधिकार दिया है, चेन्नई उच्च न्यायालय द्वारा सोडा ऐश मामले में और कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा मेलामाइन मामले में सिद्ध कर दिया गया है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

9. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित विचार व्यक्त किए गए हैं :

- (क) एस आई को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में उल्लिखित नियमों के अनुरूप घरेलू उद्योग के रूप में नहीं माना जा सकता है क्योंकि एस आई ने संबद्ध वस्तु का आयात किया है और तदनुसार, एस आई घरेलू उत्पादकों की अपवर्जित श्रेणी के अंतर्गत आता है।
- (ख) यूएसए जैसे कतिपय देशों ने प्राधिकारी को भाषा प्रयोग के तहत विशेष रूप से विवेकाधिकार प्रदान किया है। भारतीय पाटनरोधी नियमावली, 1995 के नियम 2(ख) में अधिकार प्रदान करने वाली ऐसी कोई भाषा नहीं है।
- (ग) प्रकटन पश्चात्, पुनः यह उल्लेख किया गया है कि एसआई को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुरूप घरेलू उद्योग के रूप में नहीं माना जा सकता है क्योंकि एसआई ने संबद्ध वस्तु का आयात किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

10. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग की परिभाषा निम्नवत दी गई है :-
 "(ख) "घरेलू उद्योग" का आशय समान वस्तु के विनिर्माण या उससे संबंधित किसी अन्य क्रियाकलाप में समग्र रूप से लगे उन सभी घरेलू उत्पादकों अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के समस्त घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता हो, सिवाय इसके कि यदि ये उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हों अथवा उसके स्वयं आयातक हो तो ऐसे मामलों में वाक्यांश "घरेलू उद्योग" को केवल शेष उत्पादकों के रूप में माना जाएगा।
11. यह आवेदनपत्र मैसर्स हिन्दुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लिमिटेड (एच ओ सी एल) द्वारा भारत में संबद्ध वस्तु के घरेलू उद्योग के रूप में दायर किया गया है। केवल एक अन्य घरेलू उत्पादक मैसर्स एस आई ग्रुप इंडिया लिमिटेड ने जांच की शुरुआत के समय इस आवेदनपत्र का समर्थन किया था और इसलिए उसे इस आवेदनपत्र के समर्थक के रूप में माना गया है। तथापि, मैसर्स एसआई ग्रुप ने उत्तरवर्ती रूप से इस जांच से प्रासंगिक संपूर्ण जानकारी प्रदान की है। यह नोट किया जाता है कि दोनों ही घरेलू उत्पादक एक साथ मिलकर देश में संबद्ध वस्तु के कुल भारतीय उत्पादन के लिए उत्तरदायी हैं।
12. यह तर्क दिया गया है कि एसआई ग्रुप को पात्र घरेलू उद्योग के रूप में नहीं माना जाना चाहिए और प्राधिकारी को संबद्ध वस्तु के किसी आयात को घरेलू उद्योग के रूप में मानने के लिए अपने विवेकाधिकार का प्रयोग करने का अधिकार नहीं है। यह नोट किया जाता है कि माननीय चेन्नई उच्च न्यायालय और माननीय कोलकाता उच्च न्यायालय ने यह संपुष्टि की है कि उपयुक्त मामलों में, विचाराधीन उत्पाद के किसी एक आयातक को पात्र घरेलू उद्योग के रूप में मानने के लिए अपने विवेक का प्रयोग करने का अधिकार है।
13. वर्तमान जांच में, यह नोट किया जाता है कि मैसर्स एसआई ग्रुप इंडिया लिमिटेड ने संबद्ध देशों से *** एमटी संबद्ध वस्तु का आयात किया है जिसमें से *** एमटी संबद्ध वस्तु का आयात शुल्क मुक्त स्कीम के अंतर्गत किया गया है और उसकी यह प्रतिबद्धता थी कि वह फिनाल से उत्पादित वस्तु का निर्यात करे। इस कंपनी ने *** एमटी संबद्ध वस्तु का आयात शुल्क का भुगतान करके किया है और कंपनी ने यह प्रस्तुत किया है कि कंपनी द्वारा किए गए आयात प्राथमिकतः ग्राही खपत के लिए किए गए हैं। यह नोट किया जाता है कि इस कंपनी द्वारा किए गए आयात कुल भारतीय उत्पादन का *** प्रतिशत हैं और वे देश में किए गए कुल आयात का केवल 3 प्रतिशत है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि शुल्क छूट स्कीम के अंतर्गत किए गए आयात, निर्यात उद्देश्य के अन्य विनिर्माणों का उत्पादन करने के लिए किए गए थे, न कि देश में उनकी खपत किए जाने के आशय से। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि एसआई ग्रुप इंडिया लिमिटेड द्वारा किए गए आयातों को बाजार में उपलब्ध नहीं कराया गया था और पुनः यह नोट किया जाता है कि इन आयातों का प्राथमिक उद्देश्य फिनाल में व्यापार करना नहीं था। साक्ष्यों से यह संकेत मिलता है कि यह आयात या तो शुल्क मुक्त स्कीम के अंतर्गत किए गए थे जिनका उद्देश्य निर्यात करना था या ग्राही खपत के लिए किए गए थे। इसलिए, प्राधिकारी यह धारित करते हैं कि एसआई ग्रुप द्वारा किए गए आयात घरेलू उद्योग मानने के लिए उसे अयोग्य करार नहीं देते हैं।
14. दोनों ही कंपनियों का संबंध इस विचाराधीन उत्पाद के किसी निर्यातक या आयातक से नहीं है। अतः यह निर्णय लिया जाता है कि यह आवेदन घरेलू उद्योग अर्थात् मैसर्स एचओसीएल और मैसर्स एसआई ग्रुप द्वारा या उसकी ओर से किया गया है और यह आवेदनपत्र पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के

अंतर्गत "आधार" की अपेक्षाओं को पूरा करता है। इसके अतिरिक्त, मैसर्स हिन्दुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लिमिटेड और एसआई ग्रुप इंडिया लिमिटेड दोनों साथ मिलकर पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अंतर्गत "घरेलू उद्योग" है।

घ. विविध मुद्दे

घरेलू उद्योग के विचार: —

15. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित विचार व्यक्त किए हैं :-
 - (i) भारी संख्या में मामलों में सिद्ध किया गया पाटन मार्जिन उस विभेदकारी कीमत के स्वीकरण के आधार पर किया गया है जिस पर वस्तु की बिक्री विदेशी उत्पादकों को की गई है।
 - (ii) एसआई ग्रुप ने जांच प्रारंभ होने के पश्चात संपूर्ण आंकड़े प्रस्तुत कर दिए। हितबद्ध पक्षकारों को एचओसीएल के संबंध में जानकारी याचिका से प्राप्त हुई और संयुक्त सूचना अनंतिम जांच परिणाम से प्राप्त हुई।
 - (iii) यह कहना सकल रूप से सत्य नहीं है कि वाणिज्य की वेबसाइट में केवल वित्तीय वर्ष-वार आंकड़े दिए गए हैं। वास्तव में, वाणिज्य की वेबसाइट में प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के उपरांत त्रैमासिक आंकड़े दिए जाते हैं। वास्तव में, याचिका के साथ संलग्न किए गए आंकड़े स्वयं ही यह दर्शाते हैं कि दिसम्बर, 2012 के आंकड़े वाणिज्य की वेबसाइट से डाउनलोड किए गए हैं।
 - (iv) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि एचओसीएल की अतिजीविता अपने प्रारंभ से ही व्यापार रक्षात्मक साधनों का प्रयोग करके बनी हुई है, यह प्रस्तुत किया जाता है कि एचओसीएल ने अपना प्रचालन वर्ष 1960 में प्रारंभ किया था और भारत सरकार द्वारा पहली व्यापार रक्षात्मक कार्यवाई वर्ष 2010 में की गई थी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा फिनाल और एसीटोन से संबंधित की गई अब तक की आयोजित जांच निर्यातकों द्वारा दर्ज किए गए भारी संख्या में प्रश्नावली प्रत्युत्तरों के आधार पर पाटन को स्पष्ट करती है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

16. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचार निम्नलिखित हैं :
 - (i) घरेलू उद्योग ने घरेलू उद्योग के संघटन में परिवर्तन होने के कारण आवेदनपत्र में संशोधन नहीं किया है जिससे कि एसआई से संबंधित सूचना को उसमें शामिल किया जा सके। तदनुसार, घरेलू उद्योग द्वारा दायर आवेदनपत्र पर हितबद्ध पक्षकारों को अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने के अवसर से वंचित किया गया जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विपरीत है।
 - (ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह दायित्व है कि वह सभी हितबद्ध पक्षकारों को घरेलू उद्योग के आवेदन पत्र का पूर्ण पाठ जांच शुरू होते ही यथाशीघ्र अवसर पर प्रदान कराएं।
 - (iii) एचओसीएल लगभग 20 वर्षों से अधिक समय से एक रूग्ण इकाई है और उसने बीआईएफआर, डीजी रक्षोपाय और डीजीएडी के माध्यम से भारत सरकार से संरक्षण की मांग की है।
 - (iv) वर्तमान जांच में याचिकाकर्ता ने, विशेषकर बिक्री कीमत के संबंध में, अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है जिसे उनकी वार्षिक रिपोर्टों से आकलित किया जा सकता है।
 - (v) प्राधिकारी को दोनों ही कंपनियों की लागत लेखापरीक्षा रिपोर्ट प्राप्त करनी चाहिए और लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट के आधार पर लागत निर्धारण की यथार्थता का सत्यापन करना चाहिए।

- (vi) वाणिज्य की वेब साइट से केवल वित्तीय वर्ष-वार आयात आंकड़े ही प्राप्त किए जा सकते हैं, न कि वित्तीय वर्ष के किसी भाग के संबंध में। ऐसे मामले में, हम याचिकाकर्ता से यह अनुरोध करते हैं कि वे हमें यह जानकारी उपलब्ध कराएं कि उन्होंने वाणिज्य की वेब साइट से जांच की अवधि के लिए आयात आंकड़े कैसे प्राप्त किए हैं।
- (vii) वाणिज्य की वेबसाइट से केवल वित्तीय वर्ष-वार आयात आंकड़े ही प्राप्त किए जा सकते हैं, न कि वित्तीय वर्ष के किसी भाग के संबंध में। ऐसे मामले में, हम याचिकाकर्ता से यह अनुरोध करते हैं कि वे हमें यह जानकारी उपलब्ध कराएं कि उन्होंने वाणिज्य की वेब साइट से जांच की अवधि के लिए आयात आंकड़े कैसे प्राप्त किए हैं।
- (viii) एमटीआर (दिनांक 09 फरवरी, 2012 की अंतिम जांच परिणाम एफएफ सं. 15/31/2010) में वर्ष 2009-2010 के लिए प्रदान कराए गए आंकड़े प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच में जारी प्रारंभिक जांच परिणाम में प्रदान कराए गए आंकड़ों से मेल नहीं खाते हैं।
- (ix) घरेलू उद्योग द्वारा आवेदन पत्र के साथ-साथ प्रारंभिक जांच परिणाम में विरोधाभासी सूचना प्रदान की गई है।
- (x) यह प्रस्तुत किया गया है कि ड्रम और बल्क में भारी कीमत अंतर है। यह भी उल्लेख किया गया है कि कोलतार और क्यूमीन दो ऐसे कच्चे माल हैं जिनका प्रयोग आयातित फिनाल का विनिर्माण करने में किया जाता है। यह भी प्रस्तुत किया गया है कि आयातित फिनाल के भंडारण और क्लीयरेंस पर भारी लागत आती है। यह भी प्रस्तुत किया गया है कि आयातित फिनाल और स्थानीय रूप से प्राप्त फिनाल की गुणवत्ता में भारी अंतर है।
- (xi) प्रकटन पश्चात टिप्पणियों में हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि मध्यावधि समीक्षा में इस तथ्य के स्पष्ट जांच परिणाम नहीं हैं कि आयात आंकड़ों से ताईवान का अपवर्जन कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, यह तर्क दिया गया है कि एमटीआर में आयात मात्रा यह कल्पना करके कम होनी चाहिए कि एमटीआर में आयात आंकड़ों से ताईवान का अपवर्जन कर दिया गया है।
- (xii) प्रकटन पश्चात टिप्पणियों में हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि हितबद्ध पक्षकारों को अनंतिम आयात आंकड़े प्रदान कराए जाने चाहिए ताकि उनकी यथार्थता के संबंध में लाभदायक टिप्पणियां प्राप्त की जा सकें।
- (xiii) यह प्रस्तुत किया गया है कि जांच शुरुआत के लिए दावाकृत समायोजन बिना किसी साक्ष्य के हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच:—

17. प्राधिकारी ने इन विविध प्रस्तुतिकरणों की जांच निम्नवत की है :-

- (i) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि घरेलू उद्योग द्वारा संशोधित आवेदन पत्र दायर नहीं किया गया है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह जांच मैसर्स एचओसीएल द्वारा दायर और मैसर्स एसआई ग्रुप द्वारा समर्थित आवेदन के आधार पर शुरू की गई थी और वह आवेदनपत्र, जिसके आधार पर यह जांच शुरू की गई, सभी हितबद्ध पक्षकारों को परिचालित किया गया था। तथापि, इस जांच शुरुआत के कुछ समय पश्चात मैसर्स एसआई ग्रुप ने अपने संपूर्ण आंकड़े प्रस्तुत कर दिए जिन्हें भी सार्वजनिक फाइल में रखा गया था। यह नोट किया जाता है कि ऐसे मामले में पृथक आवेदन की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि प्राधिकारी के समक्ष दायर की गई समस्त जानकारी हितबद्ध पक्षकारों के पास उपलब्ध होती है जिससे कि वे उस पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत कर सकें। यह भी

नोट किया जाता है कि विगत में कुछ ऐसे उदाहरण भी हुए हैं जिनमें घरेलू उत्पादकों से बाद में प्राप्त आंकड़े भी स्वीकार किए गए और याचिकाकर्ताओं से अपनी याचिका अद्यतन करने के लिए नहीं कहा गया।

- (ii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि प्राधिकारी घरेलू उद्योग के आवेदन के संपूर्ण पाठ को सभी हितबद्ध पक्षकारों को समग्र रूप से परिचालित कराने में असफल रहे, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने दायर किए गए आवेदनपत्र की यथार्थता एवं उपयुक्तता का सत्यापन किया है और तत्पश्चात् ही जांच प्रारंभ की है। वह संपूर्ण आवेदनपत्र, जिसके आधार पर जांच प्रारंभ की गई थी, सभी हितबद्ध पक्षकारों को परिचालित किया गया था। इसके अतिरिक्त, यह भी नोट किया जाता है कि, जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, मैसर्स एसआई ग्रुप द्वारा जांच शुरूआत के पश्चात् दायर किए गए आंकड़े अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उन पर टिप्पणियां करने के लिए सार्वजनिक फाइल में रखे गए थे।
- (iii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि एचओसीएल एक रूग्ण यूनिट रही है और उसने डीजीएडी से संरक्षण की मांग की है; यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी विधि अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं को दूर करने और घरेलू उद्योग को समान अवसर प्रदान करने के लिए है। प्राधिकारी विधि के अंतर्गत निर्धारित अपेक्षाओं का अनुसरण करके ही पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं।
- (iv) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का, विशेषकर ऐसी बिक्री कीमत के संबंध में, दावा किया गया है जिसे वार्षिक रिपोर्ट से व्युत्पन्न किसी जा सकता है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वह कीमत जिसपर प्राधिकारी द्वारा विचार किया जाता है निवल बिक्री कीमत होती है और उसका निश्चयन वार्षिक रिपोर्ट से नहीं किया जा सकता है। प्राधिकारी की यह संगत परम्परा रही है कि प्राधिकारी घरेलू उद्योग के कीमत से जुड़े पैरामीटरों और निवल बिक्री कीमत पर गोपनीयता की अनुमति देते हैं।
- (v) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट को सत्यापित किए जाने की जरूरत है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई सूचना का सत्यापन याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा अनुरक्षित लागत लेखा परीक्षा रिकार्डों के आधार पर कर लिया है और तदनुसार ही घरेलू उद्योग की लागत का निर्धारण किया है।
- (vi) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि आवेदन-पत्र तथा प्रारंभिक जांच परिणाम में एक दूसरे से विरोधाभासी सूचना प्रदान की गई है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह परिवर्तन याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर आंकड़ों का सत्पायन किए जाने के कारण आए हैं जिन्हें प्रारंभिक जांच परिणाम में प्रतिबिंबित किया गया है।
- (vii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि वर्ष 2009-10 के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री संबद्ध देशों से किए गए आयात और कुल आयातों के आंकड़े जिन्हें पिछली जांच परिणाम में अधिसूचित किया गया, जारी किए गए प्रारंभिक जांच परिणाम से मेल नहीं खाते हैं, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विगत में निष्कर्षित मध्यावधि समीक्षा जांच में आयात आंकड़े, ताईवान का अपवर्जन करते हुए लिए गए थे। प्राधिकारी ने चाइनीज ताइपेई सीमा शुल्क द्वारा साक्ष्यांकित आंकड़ों के आधार पर आयातों पर विचार किया है जिनकी उस मामले में निर्यातकों द्वारा अपने प्रत्युत्तर में रिपोर्ट की गई मात्रा से सह-संबद्धता की गई। तथापि, प्राधिकारी ने, वर्तमान जांच में सभी देशों के लिए डीजीसीआईएस से प्राप्त खेपवार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया। इसके अतिरिक्त, जहां तक घरेलू उद्योग के बिक्री

आंकड़ों में अंतर का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मध्यावधि जांच में मैसर्स एसआई ग्रुप की बिक्री सूचना का सत्यापन नहीं किया गया था क्योंकि मैसर्स एसआई ग्रुप घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं था। यह भी नोट किया जाता है कि एचओसीएल के बिक्री आंकड़े समान हैं।

- (viii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि संव्यवहार-वार आयात आंकड़े प्रदान नहीं कराए गए हैं, यह नोट किया जाता है कि संव्यवहार-वार आयात आंकड़ों के आधार पर प्रस्तुत संक्षिप्त आंकड़ों को प्राधिकारी द्वारा सार्वजनिक फाइल में रखा गया है जिससे कि हितबद्ध पक्षकार उन पर अपनी टिप्पणियां कर सकें।
- (ix) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि मध्यावधि समीक्षा में आयात मात्रा इस तथ्य पर विचार करते हुए भी कम होना चाहिए कि मध्यावधि समीक्षा में आयात आंकड़ों से ताईवान का अपवर्जन कर दिया गया है प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया जाता है कि ताईवान के सहयोगकर्ता निर्यातकों द्वारा रिपोर्ट की गई मात्रा उच्चतर थी और इसलिए प्राधिकारी द्वारा उसे अपनी मध्यावधि समीक्षा अंतिम जांच परिणाम में अंगीकार किया गया।
- (x) इस मुद्दे पर कि जांच शुरुआत के लिए दावाकृत समयोजन बिना किसी समुचित साक्ष्य के था, यह नोट किया जाता है कि वर्तमान जांच की शुरुआत प्रथम दृष्टया आधार पर सामान्य मूल्य का समायोजन सहित, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत का निर्धारण करने के पश्चात की गई। सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का वर्तमान जांच के दौरान निर्धारण सभी सहयोगकर्ता निर्यातकों सहित हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सभी सूचना की विधिवत जांच करने के पश्चात किया गया था।
- (xi) आयातित फिनाल और स्थानीय फिनाल के बीच गुणवत्ता में अंतर होने के मुद्दे के संबंध में यह नोट किया जाता है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गुणवत्ता में अंतर के संबंध में कोई साक्ष्य रिकार्ड में उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- (xii) प्रकटन पश्चात की गई टिप्पणियों में अधिकांश हितबद्ध पक्षकारों ने पहले की जांच कार्रवाई में किए गए अपने प्रस्तुतिकरणों को ही दोहराया है। प्रकटन पश्चात विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए मुद्दों में से पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंधों के मुद्दों पर प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम में उपयुक्त शीर्षकों के अंतर्गत जांच की है।

ड. पाटन मार्जिन:

घरेलू उद्योग के विचार

18. घरेलू उद्योग के विचार निम्नलिखित हैं :-

- (i) संबद्ध देशों की घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की कीमत से संबंधित सूचना/साक्ष्य प्राप्त करने के प्रयास किए गए हैं। संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों के कुटेशन या कीमत सूची प्राप्त करने के प्रयास भी किए गए हैं। तथापि, याचिकाकर्ता ताईवान की घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की कीमत से संबंधित सूचना/साक्ष्य प्राप्त करने में सक्षम नहीं रहा। इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण विनिर्मित मूल्य अधिगम पर विचार करते हुए किया गया। याचिकाकर्ताओं द्वारा संबद्ध देश में सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में उत्पादित लागत का विधिवत समायोजन करने के पश्चात किया गया है।

- (ii) याचिकाकर्ताओं ने यूएसए में सामान्य मूल्य का विवरण आईसीआईएस – एलओआर में यथाप्रकाशित संबद्ध वस्तु की कीमत के आधार पर प्रदान कराया है।
- (iii) निर्यात कीमत का निर्धारण विचाराधीन उत्पाद की भारित औसत आयात कीमत, विधिवत समायोजनों के पश्चात, के रूप में किया है।
- (iv) परिकल्पित पाटन मार्जिन पर्याप्त है।
- (v) फोरमोसा कैमिल्स एंड फाइबर कारपोरेशन, ताईवान की ओर से दायर किया गया प्रश्नावली प्रत्युत्तर अधूरा है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सौर सेलों के मामले में यह धारित किया है कि व्यक्तिगत पाटनमार्जिन की तब तक अनुमति नहीं है जब तक कि उत्पाद के असंबद्ध निर्यातकों ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर न किया हो।
- (vi) व्यापार समायोजन के स्तर की अनुमति इस कारण से प्रदान नहीं की जा सकती है कि निर्यातक ने यह सिद्ध नहीं किया है कि व्यापार के वास्तव में दो स्तर हैं और इस कारण से उनमें भारी अंतर है जिससे कीमत तुलनात्मकता प्रभावित होती है।
- (vii) इस दावे का कोई आधार नहीं है कि सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण आर्डर की तारीख के आधार पर किया जाना चाहिए। संबद्ध वस्तु की बिक्री की तारीख का अभिज्ञात करने में प्राधिकारी द्वारा सामान्यतः उत्पादकों अथवा निर्यातकों के रिकार्डों में यथा अभिलेखबद्ध बीजक की तारीख का प्रयोग किया गया है।

हितबद्ध पक्षकारों के विचार

19. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित विचार प्रस्तुत किए हैं :
- (i) एफसीएफसी के घरेलू बिक्री आंकड़े व्यापारियों (वितरकों) और अंतिम प्रयोक्ताओं के बीच विशिष्ट एवं संगत अंतर दर्शाते हैं। सामान्यतः, एफसीएफसी वितरकों को न्यूनतर कीमतों की पेशकश करता है। एफसीएफसी की निर्यात बिक्रियां भारतीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय व्यापारियों को की गई हैं, इसलिए तुलना एफसीएफसी के घरेलू व्यापारियों से ही की जानी चाहिए।
 - (ii) यदि पाटन मार्जिन की गणना मासिक आधार पर की जाती है, तो सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करने के लिए, आर्डर की तारीख को बिक्री की तारीख के रूप में अपनाया जाना चाहिए, जैसा कि डीजीएडी द्वारा विगत में किया गया है।
 - (iii) प्राधिकारी को खुले (लूज) तथा पैक की गई विधि (पैक्ड फार्म) में संबद्ध वस्तु की बिक्री का विश्लेषण अलग-अलग करना चाहिए और पाटन मार्जिन भी पृथक परिकल्पित करनी चाहिए। आवेदन स्वयं यह दर्शाता है कि पैकिंग स्टील के ड्रमों में की गई थी।
 - (iv) विधि के अनुरूप समुचित निष्कर्ष निकालने के लिए संबद्ध वस्तु की खुले और पैक में की गई बिक्री की कीमत और लागत विवरण तथा संव्यवहार-वार आयात आंकड़ों के आधार पर भारित औसत सामान्य मूल्य, गैर-क्षतिकारी कीमत, निर्यात कीमत और उतराई मूल्य पर विचार किया जाना चाहिए।

सामान्य मूल्य का निर्धारण

धारा 9क (1) (ग) में किसी वस्तु के संबंध में "सामान्य मूल्य का आशय :-

- () उपनियम (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश अथवा भू-भाग में खपत के उद्देश्य से व्यापार के सामान्य अनुक्रम में समान वस्तु के लिए तुलनीय कीमत से होता है;अथवा
- () निर्यातक देश या भूभाग की घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य अनुक्रम में जब उस सामान समान वस्तु की बिक्री न होती हो अथवा निर्यातक देश या भू-भाग की घरेलू बाजार में विशिष्ट बाजार परिस्थितियों अथवा बिक्री की न्यून मात्रा के कारण,ऐसी बिक्रियां समुचित तुलना करने की अनुमति न देती हों तो उस वस्तु का सामान्य मूल्य या तो-
- (क) उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथा-निर्धारित उस समान वस्तु की वह तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत होगी जिस पर उसका निर्यात किसी निर्यातकर्ता देश या (भू-भाग से) किसी उपयुक्त तृतीय देश को किया जाता है;अथवा
- (ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री या सामान्य लागत तथा लाभ के लिए किए गए अन्य संवर्धनों सहित उद्गम के देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत होती है;
21. प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों को प्रश्नावली यह सुझाव देते हुए प्रेषित की कि वे विहित स्वरूप एवं ढंग से सूचना प्रदान करें। तथापि निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों को छोड़कर संबद्ध देशों के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करके इस जांच में सहयोग नहीं किया है। निम्नलिखित कंपनियों द्वारा प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किए गए :
- मैसर्स ताईवान प्रासपैरिटी कैमिकल कारपोरेशन (टी पी सी सी) (उत्पादक एवं निर्यातक)
 - मैसर्स कोलमर ग्रुप एजी,स्विटजरलैंड (निर्यातक)
 - मैसर्स फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन ("एफसीएफसी")(उत्पादक एवं निर्यातक)
22. चूंकि उपर्युक्त कंपनियों ने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किए हैं इसलिए इन कंपनियों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण उनके द्वारा दायर प्रश्नावली प्रत्युत्तरों के आधार पर किया गया है। व्यापार समायोजन के स्तर के संबंध में यह नोट किया जाता है कि निर्यातक ने व्यापारियों को और अंतिम प्रयोक्ताओं को कीमत के बीच कीमत अंतर की कोई संगत प्रणाली नहीं स्थापित की है। इसके अतिरिक्त,निर्यातक ने यह प्रदर्शित नहीं किया है कि वह एक घोषित कीमत सूची और व्यापारियों एवं अंतिम प्रयोक्ताओं के बीच अपनी कीमत में संगत अंतर अनुरक्षित करता है। वास्तव में निर्यातक ने यह स्वीकार किया है कि ऐसी कोई कीमत सूची नहीं है और कीमतों का निर्धारण क्रेता के साथ परस्पर मोलभाव करके किया जाता है। यह भी नोट किया जाता है कि निर्यातक ने दो स्तर के व्यापार के कार्य निष्पादन के बीच अंतर भी प्रदर्शित नहीं किया है। एफसीएफसी के इस तर्क के संबंध में कि सभी भारतीय बिक्रियां भारतीय वितरकों या व्यापारियों को की गई है,प्रत्युत्तर की जांच करने के पश्चात यह नोट किया जाता है कि एफसीएफसी द्वारा कोलमर के जरिए की गई भारतीय बिक्रियां व्यापारियों अथवा वितरकों के साथ-साथ अंतिम प्रयोक्ताओं को भी की गई हैं।
23. बिक्री की तारीख के कारण समायोजन संबंधी तर्क के संबंध में यह नोट किया जाता है कि निर्यातक यह सिद्ध करने में सक्षम नहीं हो पाया कि आर्डर की तारीख उस तारीख को प्रदर्शित करती है जिस पर संविदा की वास्तविक शर्तों, बिक्री की कीमत, मात्रा तथा अन्य सभी शर्तों सहित,निर्धारित की गई थी।

24. जहां तक आयातकों में से एक आयातक के इस तर्क का संबंध है कि पाटन मार्जिन का निर्धारण लूज और बल्क आधार पर किया जाना चाहिए, यह नोट किया जाता है कि ताईवान के निर्यातकों द्वारा अपनी घरेलू बाजार में पैकड सामग्री की बिक्री मात्रा नगण्य है। यह भी नोट किया जाता है कि डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त संव्यवहार-वार आंकड़ों में अधिकांश में लूज या बल्क संव्यवहारों को अनुरक्षित नहीं रखा जाता है। अतः उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, लूज एवं पैकड सामग्री की पृथक तुलना करने के बजाय, पैकड बिक्रियों से पैकिंग लागत हटा दी गई है और तत्पश्चात भारित औसत कीमत के आधार पर तुलना की गई है।

25. प्रकटन पश्चात किए गए विवरणों में कई हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि यूएसए के लिए आई सी आई एस कीमतों को पहले छोड़ दिया गया और इसलिए उन्हें बाद में अंगीकार नहीं किया जा सकता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आई सी आई एस कीमतों को संगत माना गया और उन्हें विगत में निर्यातक देशों की घरेलू बाजार में प्रचलित कीमतों की भरोसेमंद जानकारी के रूप में स्वीकार किया गया है।

26. सहयोगकर्ता निर्यातकों एवं उत्पादकों को स्थल सत्यापन किया गया और एक सत्यापन रिपोर्ट टिप्पणी करने हेतु उनके पास भेजी गई। इन सहयोगकर्ता निर्यातकों एवं उत्पादकों के संबंध में आंकड़ों पर उनके व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए विचार किया गया। यह भी नोट किया जाता है कि प्रारंभिक जांच परिणाम में पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत विनिमय दर का प्रयोग किया गया था। अंतिम जांच परिणाम में पाटन एवं क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए मासिक विनिमय दर का प्रयोग किया गया है।

27. संबद्ध देशों के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों से सहयोग के अभाव में, प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण करके अनुच्छेद 6.8 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुरूप उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है।

28. तदनुसार, प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नवत किया है :

सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों हेतु अपनाई गई सामान्य क्रियापद्धति

29. घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की कीमतों में अस्थिरता रही है। इसलिए प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए संपूर्ण आंकड़ों का माहवार विश्लेषण किया है। सहयोगकर्ता उत्पादकों/निर्यातकों से माहवार विश्लेषण करने के लिए प्रस्तुत किए गए जरूरी आंकड़े मंगाए गए और पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन का आकलन माहवार आधार पर किया गया है।

30. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर और नियमों के अनुसार किया है। पहले यह देखा गया कि क्या प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा अपनी गृह बाजारों में संबद्ध वस्तु की कृत घरेलू बिक्री प्रतिनिधिक बिक्री है और क्या यह घरेलू बिक्री कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने की अनुमति देने के लिए अर्थक्षम है और क्या प्रत्युत्तरदाताओं द्वारा प्रदान कराए गए आंकड़ों के अनुरूप व्यापार का सामान्य अनुक्रम परीक्षण पूरा होता है या नहीं। अपने-अपने प्रत्युत्तरों में प्रत्युत्तरदाताओं ने अपनी गृह बाजारों में की गई बिक्रियों का संव्यवहार-वार विवरण प्रदान कराया है। इसके अतिरिक्त, सभी घरेलू बिक्री पण्य सौदों की संबद्ध

वस्तु की उत्पादन लागत के संदर्भ में जांच यह निर्धारण करने के लिए की गई कि क्या वे घरेलू बिक्रियां व्यापार के सामान्य अनुक्रम में थीं। यह भी देखा गया कि घाटा करने वाले पण्य सौदे कुल बिक्री का 20 प्रतिशत से अधिक हैं या नहीं।

31. जहां कहीं यह पाया गया कि लाभप्रद घरेलू बिक्री पण्य सौदे कुल बिक्रियों का 80 प्रतिशत से अधिक हुए हैं वहां घरेलू बिक्रियों की भारत औसत कीमत पर विचार किया गया है। तथापि, जहां कहीं यह पाया गया कि लाभप्रद घरेलू बिक्री सौदे कुल बिक्रियों के 80 प्रतिशत से कम हैं वहां लाभदायक घरेलू बिक्रियों की भारत औसत कीमत पर विचार किया गया है।

मैसर्स ताईवान प्रासपैरिटी कैमिकल कारपोरेशन (टी पी सी सी) (उत्पादक एवं निर्यातक)

सामान्य मूल्य

32. मैसर्स ताईवान प्रासपैरिटी कैमिकल कारपोरेशन ("टी पी सी सी") ताईवान, चीन जनवादी गणराज्य की कंपनी विधि के अनुसार शेयर्स द्वारा स्थापित एक लिमिटेड कंपनी है। मैसर्स टी पी सी सी ताईवान से संबद्ध वस्तु का उत्पादक और निर्यातक है, जिसने जांच की अवधि के दौरान घरेलू बिक्रियों के साथ-साथ भारत को निर्यात भी किया है। यह नोट किया जाता है कि मैसर्स टी पी सी सी की केवल एक फैक्टरी है जो लिन-युआन, जिला काओहुशियंग में अवस्थित है और यह संबंधित उत्पाद का उत्पादन करता है। टी पी सी सी प्रारंभिक कच्चे माल के रूप में क्यूमिन का प्रयोग करके फिनाल का उत्पादन करता है। संबंधित उत्पाद का उत्पादन करने के लिए विनिर्माण हेतु प्रयोग किया जाने वाला प्रमुख कच्चा माल क्यूमिन है जिसके अधिकांश भाग का उत्पादन बेंजीन और प्रोपायलीन से किया जाता है। संबंधित उत्पादन का विनिर्माण करने में प्रयोग किया जाने वाला प्राथमिक कच्चा माल क्यूमिन है। यह भी नोट किया जाता है कि इस उत्पाद का उत्पादन करने के लिए अधिकांश क्यूमिन की खपत इस कंपनी द्वारा ही की जाती है।

33. यह नोट किया जाता है कि टी पी सी ने घरेलू बाजार में इस संबद्ध वस्तु की *** एमटी और *** मूल्य की बिक्री (टी डब्ल्यू डी) की है। इस कंपनी द्वारा दायर किए गए प्रत्युत्तर की जांच की गई और प्रश्नावली प्रत्युत्तर से यह नोट किया जाता है कि कंपनी ने माहवार लागत के आंकड़े दिए हैं। यह भी नोट किया जाता है कि एसजीए व्यय का दावा और संविभाजन कुल कारोबार के आधार पर किया गया है। प्रत्युत्तरों की जांच करने से यह नोट किया जाता है कि घरेलू बिक्रियां पर्याप्तता के परीक्षण का पूरा करती हैं। प्रत्युत्तर के परिशिष्ट-8ख में यथा उल्लिखित संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत प्राधिकारी द्वारा सत्यापन कर लिए जाने के पश्चात स्वीकार कर ली गई है। प्राधिकारी द्वारा किए गए यथा सत्यापन के अनुरूप उसकी पैकिंग लागत, लोडिंग प्रभार, अंतरदेशीय भाड़ा, क्रेडिट लागत का समायोजन करने की अनुमति दी गई है। इस निर्धारण के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन माहवार आधार पर किया गया है।

निर्यात कीमत

34. यह नोट किया जाता है कि टीपीसीसी द्वारा जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की भारत को की गई बिक्री तीन तरीकों से की गई है अर्थात् पहला तरीका है टीपीसीसी द्वारा भारतीय अंतिम प्रयोक्ताओं को सीधे बिक्री, दूसरा तरीका है, टीपीसीसी द्वारा भारत को मैसर्स कोलमर स्विटजरलैंड के माध्यम से की गई बिक्री और तीसरा तरीका है मैसर्स टीपीसीसी द्वारा मित्सुई एंड कंपनी, ताईवान के माध्यम से भारत को बिक्री। परंतु चूंकि मित्सुई एंड कंपनी ताईवान ने प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है, इसलिए उस चैनल को जिसका भारत को निर्यात मित्सुई एंड कंपनी के माध्यम से किया गया है, पृथक पाटन मार्जिन प्रदान करने के लिए नहीं माना गया है। यह भी नोट किया जाता है कि कोलमर स्विटजरलैंड द्वारा भारत को किए गए

निर्यात और भारत को प्रत्यक्ष रूप से किए गए निर्यात भारत को संबद्ध वस्तु के कुल निर्यातों का *** प्रतिशत से अधिक है। आवेदक ने भारत को निर्यात से संबंधित जानकारी परिशिष्ट-2 में प्रस्तुत की है। यह नोट किया जाता है कि इस कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान भारत को *** एमटी की बिक्री (*** अमरीकी डालर) राशि पर की थी। फैक्टरी बाह्य निर्यात कीमत पर पहुंचने के लिए विभिन्न व्ययों जैसे कमीशन, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, पैकिंग लागत, भंडारण एवं हैंडलिंग, लोडिंग प्रभार, क्रेडिट व्यय आदि का समायोजन करने की अनुमति उत्पादक एवं निर्यातक द्वारा दायर प्रत्युत्तर की जांच करने के पश्चात दी गई। निर्यातकों की उन अलग-अलग श्रृंखलाओं को जो संपूर्ण हैं और निर्यातकों के माध्यम से किए गए उन निर्यातों को जिन्होंने भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है और जिन्होंने भारत को निर्यात कीमत से संबंधित विवरण प्रस्तुत किया है, ध्यान में रखकर पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है। टी पी सी सी के लिए माहवार निर्यात कीमत का निर्धारण भारत को निर्यात के दोनों चैनलों के जरिए किया गया है।

मैसर्स फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन, ताईवान ("एफसीएफसी") (उत्पादक एवं निर्यातक)

35. मैसर्स फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन (एफसीएफसी), ताईवान, चीन जनवादी गणराज्य की कंपनी विधि के अनुरूप शेयरों द्वारा स्थापित एक कंपनी है। यह प्रस्तुत किया गया कि उसके ढांचे में पिछले तीन वर्षों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। मैसर्स फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन ताईवान (एफसीएफसी), ताईवान में संबद्ध वस्तु की उत्पादक/निर्यातक कंपनी है जिसने जांच की अवधि के दौरान भारत को निर्यात के साथ-साथ घरेलू बिक्री भी की है। वह संबद्ध वस्तु जिसकी एफसीएफसी द्वारा जांच की अवधि के दौरान भारत को बिक्री की गई है, उसकी बिक्री दो चैनलों के माध्यम से की गई। पहला चैनल है एफसीएफसी द्वारा भारतीय उपभोक्ताओं को सीधे बिक्री और दूसरा चैनल है भारत को मैसर्स कोलमर, स्विटजरलैंड के माध्यम से बिक्री।

36. मैसर्स एफसीएफसी फिनाल का उत्पादन बेंजीन और प्रोपायलीन को प्राथमिक कच्चे माल के रूप में प्रयोग करके करता है। बेंजीन का आंशिक रूप से ग्राही उत्पादन एफसीएफसी अरोमा संयंत्र पर किया जाता है और आंशिक रूप से इसका आयात किया जाता है, जबकि प्रोपायलीन की आपूर्ति एफसीएफसी के तेल परिष्करणशाला संयंत्र से की जाती है। एफसीएफसी आयातित बेंजीन का प्रयोग करता है। घरेलू बाजार में वितरण के दो चैनल हैं। यह दावा किया गया है कि घरेलू बाजार में एफसीएफसी अंतिम प्रयोक्ताओं को सीधे बिक्री करता है जो इस उत्पाद की खरीद डाउनस्ट्रीम उत्पादों का उत्पादन करने के लिए करते हैं। एफसीएफसी इस उत्पाद की बिक्री उन संबंधित व्यापारियों को भी करता है जो अपने व्यवसाय के लिए ग्राहकों के आधार का पता लगाते हैं, उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं और उसे बनाए रखते हैं। यह नोट किया गया कि कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान अपनी गृह बाजार में *** (एमटी) (*** एनटीडी) बिक्री की है। घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की *** प्रतिशत बिक्री असंबद्ध व्यापारियों को की गई और संबद्ध वस्तु के *** प्रतिशत की बिक्री संबद्ध पक्षकारों को की गई। तथापि, असंबद्ध एवं सहबद्ध दोनों ही पक्षकारों के लिए यूनिट कीमत मोटे तौर पर समान ही है।

37. इस कंपनी द्वारा दायर किए गए प्रत्युत्तर की जांच की गई और प्रश्नावली प्रत्युत्तर से यह नोट किया गया कि कंपनी ने माहवार लागत निर्धारण का ब्यौरा दिया है। यह भी नोट किया जाता है कि एसजीए खर्चों का दावा और संविभाजन कुल कारोबार के आधार पर किया गया है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू बिक्रियां पर्याप्तता की जांच को पूरा करती हैं। प्रत्युत्तर के परिशिष्ट-8ख में यथा उल्लिखित संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत को प्राधिकारी द्वारा किए गए सत्यापन के पश्चात स्वीकार कर लिया गया। उनके

अर्थात् अंतरदेशीय भाड़ा, परिवहन शुल्क, भंडारण व्यय, टेक सेवा, क्रेडिट लागत का समायोजन करने की अनुमति प्राधिकारी द्वारा सत्यापन के पश्चात् दी गई है। इस निर्धारण के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन माहवार आधार पर किया गया है।

निर्यात कीमत

38. यह नोट किया जाता है कि एफसीएफसी द्वारा जांच की अवधि के दौरान भारत में बिक्री की गई संबद्ध वस्तु की बिक्री दो चैनलों के माध्यम से की गई है। उनमें से एक है एफसीएफसी द्वारा भारत को प्रत्यक्ष निर्यात और दूसरा है मैसर्स कोलमर स्विटजरलैंड के जरिए भारत को एफसीएफसी के निर्यात। आवेदक ने भारत को निर्यात से संबंधित सूचना परिशिष्ट-2 में दी है। यह नोट किया गया कि कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की *** (एमटी) (*** यूएस डालर) की बिक्री की है। इस जांच की अवधि के दौरान एफसीएफसी द्वारा भारत को संबद्ध वस्तु की कृत बिक्री दो चैनलों के माध्यम से की गई है, पहला है कुंदन राइस मिल्स को एफसीएफसी द्वारा प्रत्यक्ष बिक्री (*** प्रतिशत) और दूसरा चैनल है एफसीएफसी की कोलमर स्विटजरलैंड को बिक्री (*** प्रतिशत)। यह भी नोट किया गया था कि यह निर्यात बिक्रियां व्यापारी और अंतिम प्रयोक्ताओं दोनों को की गई हैं। यह भी नोट किया जाता है कि सभी निर्यात बिक्रियां एफओबी आधार पर की गई हैं। उत्पादक और निर्यातक द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण से यह नोट किया जाता है कि फैक्टरी बाह्य निर्यात कीमत पर पहुंचने के लिए विभिन्न व्ययों अर्थात् सीमाशुल्क, क्लीयरेंस शुल्क, बैंक प्रभार, पत्तन सुविधा प्रभार, पत्तन प्रबंधन शुल्क, व्यापार संवर्धन सेवा शुल्क, पत्तन हैंडलिंग, तटवर्ती टैंक शुल्क, लोडिंग सर्वे शुल्क, भांडारागार शुल्क का समायोजन करने की अनुमति दी गई थी। पाटन मार्जिन का परिकलन निर्यातकों की उस पृथक श्रृंखला को ध्यान में रखकर किया गया है जो पूर्ण हैं और उन निर्यातकों के जरिए किए गए निर्यातों, जिन्होंने भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है और जिन्होंने भारत को निर्यात कीमत से संबंधित विवरण प्रस्तुत किया है, को ध्यान में रखकर किया गया है। एफसीएफसी के लिए भारत को माहवार निर्यात कीमत का निर्धारण भारत को निर्यात की दोनों सरणियों के माध्यम से किया गया है। भारत और पाटन मार्जिन का परिकलन एफसीएफसी द्वारा भारत को सीधे किए गए निर्यात की मात्रा और मैसर्स कोलमर स्विटजरलैंड के जरिए भारत को किए गए निर्यात की मात्रा को ध्यान में रखकर किया गया है।

मैसर्स कोलमर ग्रुप एजी, स्विटजरलैंड (कोलमर)

39. यह नोट किया जाता है कि मैसर्स कोलमर ग्रुप एजी, स्विटजरलैंड एक निर्यातक/व्यापारी है जिसने जांच की अवधि के दौरान भारत को इस संबद्ध वस्तु का निर्यात किया, जिसे उसने एफसीएफसी और टीपीसीसी, जो इस जांच में सहयोगकर्ता उत्पादक और निर्यातक है, से प्राप्त किया था। कोलमर संबंधित उत्पाद की घरेलू बिक्री नहीं करता है और उसने संबंधित वस्तु का केवल निर्यात किया है। मैसर्स कोलमर ने संबद्ध वस्तु ताईवान के दो उत्पादक/निर्यातकों, एफसीएफसी और टीपीसीसी से प्राप्त की है। यह नोट किया जाता है कि निर्यातक ने जांच की अवधि के दौरान भारत को *** एमटी फिनाल के निर्यात को दर्शाते हुए *** बीजकों की सूचना दी है। इनमें से *** पण्य सौदे टीपीसीसी से प्राप्त वस्तु से संबंधित हैं और शेष *** पण्य सौदे एफसीएफसी से प्राप्त वस्तु के संबंध में हैं। कोलमर द्वारा दोनों, एफसीएफसी और टीपीसीसी, से वस्तु एफओबी आधार पर प्राप्त की गई है परंतु उनकी कोलमर ने भारत को सीएफआर एवं सीआईएफ आधार पर बिक्री की है। कोलमर द्वारा किए गए कुल आयात में से इसने *** प्रतिशत संबद्ध वस्तु एफसीएफसी से और *** प्रतिशत संबद्ध वस्तु टीपीसीसी से प्राप्त की है। दोनों ही उत्पादक/निर्यातकों अर्थात् एफसीएफसी और टीपीसीसी, ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को अलग-अलग प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किए

हैं, इसलिए भारत को निर्यात की गई उस संबद्ध वस्तु के लिए पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन का परिकलन अलग-अलग किया गया है जिसे एफसीएफसी एवं टीपीसीसी से प्राप्त किया गया। यह नोट किया जाता है कि कोलमर द्वारा भारत को संबद्ध वस्तु की बिक्री सीआईएफ आधार पर की गई। निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में यथादावाकृत समुद्री भाड़ा और बीमा जैसे व्ययों का समायोजन करने की प्राधिकारी द्वारा सत्यापन के पश्चात अनुमति दे दी गई।

चाइनीज ताइपेई के असहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

40. शेष बचे उत्पादकों और निर्यातकों के संबंध में संबद्ध वस्तु के पाटन मार्जिन का परिकलन करने के लिए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित सामान्य मूल्य की तुलना सहयोगकर्ता निर्यातकों और उत्पादकों के लिए न्यूनतर प्रतिनिधिक कीमत स्तर पर निर्धारित निवल निर्यात कीमत से की गई। शेष उत्पादकों और निर्यातकों के लिए इस तरह निर्धारित पाटन मार्जिन एवं पाटन मार्जिन प्रतिशत का उल्लेख पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

यूएसए

सामान्य मूल्य

41. यह नोट किया जाता है कि यूएसए के किसी भी उत्पादक और निर्यातक ने प्राधिकारी को न तो कोई प्रत्युत्तर दिया है और न ही किसी ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है। याचिकाकर्ता ने यूएसए में सामान्य मूल्य का विवरण संबद्ध वस्तु की आईसीआईएस ३ एलओआर में प्रकाशित कीमत के आधार पर उपलब्ध कराया है। यह नोट किया जाता है कि आईसीआईएस ३ एलओआर पेट्रोलियम बाजार से संबंधित विश्व का सबसे बड़ा सूचना प्रदाता हैं और वह कीमत निर्धारण आंकड़े, उच्च दर्जे की खबर, विश्लेषण और स्वतंत्र परामर्श के आंकड़े प्रदान करता है जिसका उसे 30 वर्षों का अनुभव है। संबद्ध निर्यातकों से किसी भी प्रकार के प्रत्युत्तर के अभाव में, प्राधिकारी ने यूएसए के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार आईसीआईएस ३ एलओआर में यथा प्रकाशित संबद्ध वस्तु की कीमत के आधार पर किया है।

निर्यात कीमत

42. यह नोट किया जाता है कि यूएसए के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों से संबंधित सूचना पर विचार किया है और निर्यात कीमत का निर्धारण यूएसए से भारत को इस उत्पाद के सभी आयातों पर विचार करते हुए किया गया है। यूएसए के निर्यातकों से असहयोग के मद्देनजर याचिकाकर्ता द्वारा घरेलू उद्योग द्वारा किए गए दावों के आधार पर कीमत समायोजन किया गया है।

पाटन मार्जिन

43. पाटन मार्जिन की गणना जांच की अवधि के प्रत्येक माह के लिए निर्धारित निवल निर्यात कीमत की सामान्य मूल्य से तुलना करके की गई है। उत्पादकों एवं निर्यातकों की श्रृंखला के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण उस चैनल के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण करके किया गया है।

पाटन मार्जिन का निर्धारण

44. आंकड़ों का विश्लेषण करने के पश्चात् पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका में किए गए उल्लेख के अनुसार किया गया है :

देश	उत्पादक	निर्यातक	पाटन मार्जिन (यूएसडी/ एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	भारित औसत पाटन मार्जिन (यूएसडी/ एमटी)	भारित औसत पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन रैंज
	फोरमोसा कैमिकल एंड फाइबर कारपोरेशन, चाइनीज ताइपेई	फोरमोसा कैमिकल एंड फाइबर कारपोरेशन, चाइनीज ताइपेई	***	***	***	***	0-10
	फोरमोसा कैमिकल एंड फाइबर कारपोरेशन, चाइनीज ताइपेई	कोलमर ग्रुप एजी, स्विटजरलैंड	***	***			
ताईवान	ताईवान प्रासपैरिटी कैमिकल कारपोरेशन, चाइनीज ताइपेई	ताईवान प्रासपैरिटी कैमिकल कारपोरेशन, चाइनीज ताइपेई	***	***	***	***	0-10
	ताईवान प्रासपैरिटी कैमिकल कारपोरेशन, चाइनीज ताइपेई	कोलमर ग्रुप एजी, स्विटजरलैंड	***	***			
	चाइनीज ताइपेई के अन्य सभी उत्पादक और निर्यातक	चाइनीज ताइपेई के अन्य सभी उत्पादक और निर्यातक	***	***			10-20
यूएसए	यूएसए के अन्य सभी उत्पादक और निर्यातक	यूएसए के अन्य सभी उत्पादक और निर्यातक	***	***			50-60

च. क्षति

घरेलू उद्योग के विचार

45. घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि :

- (i) आयातों में संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से आयात मात्रा में समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है।
- (ii) वर्ष 2010-11 और 2011-12 को छोड़कर संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान आयातों का उतराई मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से बहुत अधिक कम रहा है।
- (iii) यद्यपि संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान इस विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है परंतु याचिकाकर्ता की बिक्री में वर्ष 2010-11 के पश्चात गिरावट आई है।
- (iv) संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग के उत्पादन में भारी कमी आई है। यद्यपि वर्ष 2010-11 में उत्पादन में बढ़ोतरी हुई, परंतु तत्पश्चात इसमें तेजी से गिरावट आई है।
- (v) घरेलू उद्योग द्वारा क्षमता में विस्तार न किए जाने और देश में भारी मांग होने के बावजूद विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और क्षमता उपयोग में संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है।
- (vi) मांग में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में तेजी से गिरावट आई है। आयातों का बाजार हिस्सा बढ़ा वहीं घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।
- (vii) घरेलू उद्योग वर्ष 2011-12 तक लाभ अर्जित करने में सक्षम रहा तथापि आयातों का घरेलू उद्योग की कीमतों पर इतना दमनकारी प्रभाव रहा कि घरेलू उद्योग को जांच की अवधि के दौरान भारी वित्तीय घाटा सहन करना पड़ा।
- (viii) जांच की अवधि के दौरान उत्पादन लागत और बिक्री कीमत दोनों में वृद्धि हुई तथापि बिक्री लागत में वृद्धि बिक्री कीमत में हुई वृद्धि की तुलना में बहुत अधिक थी।
- (ix) आयातों का उतराई मूल्य संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान घरेलू कीमतों का भारी कीमत अधोरदन करता रहा।
- (x) घरेलू उद्योग के निष्पादन में उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, लाभ, निवेश पर परिलाभ और नकद लाभ के रूप में भारी हद तक गिरावट आई।
- (xi) हितबद्ध पक्षकार फिनाल एसीटोन के सभी मामलों में यह तर्क देते रहे हैं कि एसआई ग्रुप को क्षति नहीं हो रही है और इसलिए वह उसमें प्रतिभागिता करने से बच रहा है। अब यह तर्क दिया गया है कि एसआई ग्रुप को इसमें इसलिए जोड़ा गया है जिससे कि क्षति मार्जिन अधिक हो जाए, परंतु यह तर्क निराधार है।
- (xii) प्रमुख कच्चे माल के लिए अधिप्रापण नीति और कीमत निर्धारण नीति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।
- (xiii) नियमों में यह अपेक्षा की जाती है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी उत्तरदायित्व निर्धारण विश्लेषण में केवल पाटन कीमतों पर बेची गई मात्रा और आयातों की कीमत पर ही विचार करें।
- (xiv) इस विचाराधीन उत्पाद पर लगभग एक दशक से पाटनरोधी शुल्क या रक्षोपाय शुल्क लगे होने के बावजूद फाउंड्री उद्योग की इन 2000 इकाइयों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष कभी भी प्रतिनिधित्व नहीं किया। इस तरह का कोई परिमाणात्मक विवरण नहीं दिया गया कि विगत शुल्क ने उद्योग पर

किस तरह विपरीत प्रभाव डाला है और प्रस्तावित शुल्क का इस उद्योग पर विपरीत प्रभाव कैसे होगा।

- (xv) प्रकटन विवरण के संबंध में दी गई टिप्पणियों में घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुत किया है कि देश में भारी मांग पर विचार करते हुए एच ओ सी एल ने प्रयास किए और दो चरणों में अपनी क्षमता विस्तार करने पर कार्य कर रहा है (क) फिनाल के लिए 28000 एमटी तक क्षमता विस्तार और एसीटोन के लिए 120 करोड़ रुपए की लागत से 15200 एमटी तक क्षमता विस्तार और (ख) 1200 करोड़ रुपए की लागत से 2 लाख प्रति एमटी का एक नया फिनाल संयंत्र लगाना। यह प्रस्तुत किया गया कि गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण करना उचित नहीं है और उससे घरेलू उद्योग को कम संरक्षण प्राप्त होगा। इस संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण संगत प्रस्तुतिकरण हैं। इस संबंध में यह प्रस्तुत किया गया है कि निवल अचल परिसंपत्तियां लाभ का निर्धारण करने का आधार नहीं बन सकती है जबकि घरेलू उद्योग द्वारा स्थापित मूल संयंत्र पूर्णतया अवक्षयित है। पुनः यह उल्लेख किया गया है कि नियमों में ऐसे किसी तर्कसंगत लाभ की प्रमात्रा का निर्धारण नहीं किया गया है जिस पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को विचार करना चाहिए। संयंत्र की अधिक पुरातनता पर विचार करते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग के लिए प्रतिलाभ की उच्च दर पर विचार करना चाहिए।
- (xvi) कच्चे माल एवं उपयोगी वस्तुओं का इष्टतमीकरण करने के संबंध में यह प्रस्तुतिकरण किया गया कि प्राधिकारी को वास्तविक कच्चे माल एवं उपयोगी वस्तुओं पर विचार करना चाहिए। वर्षों तक कच्चे माल की खपत कई जटिल कारकों पर निर्भर करती है और यह घरेलू उद्योग की कार्यक्षमता का परिणाम नहीं है। इसके अतिरिक्त, यह भी उल्लेख किया गया कि घरेलू उद्योग का प्रत्येक संघटक अत्यधिक जागरूक है और वह बर्बादी के प्रति चिन्तित है और वह उसमें संभावित अवक्षयण पर ध्यान दिए बिना अपनी कार्यकुशलताओं में वृद्धि करने का सभी संभव प्रयास करता है। वास्तव में कच्चे माल एवं उपयोगी वस्तुओं के संबंध में इसकी कार्यकुशलता में कोई कमी नहीं आई। पुनः यह उल्लेख किया गया कि वास्तविक उत्पादक की अनदेखी करना और गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण करने के लिए उत्पादन के किसी अन्य आधार को अपनाना उचित नहीं होगा और प्राधिकारी को क्षति मार्जिन का आकलन करने के लिए एक ऐसी कीमत का निर्धारण करने हेतु, जिसकी तुलना आयात कीमत से की जा सके, वास्तविक उत्पादन लागत का निर्धारण करना चाहिए, न कि उत्पादन की नोशनल न्यूनतर लागत का। घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुत किया है कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण निश्चित प्रमात्रा (शुल्क के निश्चित रूप में), यूएस डालर/एमटी के रूप में अभिव्यक्त शुल्क, के रूप में किया जा सकता है क्योंकि इस उत्पाद पर इस समय भी निर्धारित प्रमात्रा में पाटनरोधी शुल्क लगा हुआ है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचारः

46. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित विचार प्रस्तुत किए हैं :

- (i) इस जांच की शुरुआत नियमों का सकल उल्लंघन करके और एच ओ सी एल द्वारा तथ्यों का गलत प्रतिनिधित्व करके की गई है। एच ओ सी एल ने रक्षोपाय शुल्क और पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने के लिए अपनी याचिका में मनगढ़न्त सूचना दायर करके भारत सरकार से संरक्षण प्राप्त करने की मांग की है क्योंकि सरकार ने परिमाणात्मक प्रतिबंध हटा दिए हैं। भारत सरकार को एच ओ सी एल के उस समय के निष्पादन की विस्तार से जांच करनी चाहिए जब परिमाणात्मक प्रतिबंध लगे थे और फिनाल का आयात प्रतिबंधित था।

- (ii) क्षमताएं अपर्याप्त हैं और इसलिए आयात करना अनिवार्य हो गया है। इस उत्पाद की 70 प्रतिशत से अधिक मांग अनिवार्यतः आयातों द्वारा ही पूरी की जाती है। एचओसीएल केवल 15 प्रतिशत मांग को ही पूरा कर सकता है और एसआई ग्रुप, जो 100 प्रतिशत से अधिक क्षमता से कार्य कर रहा है, ग्राही उपभोक्ता है और वह फिनाल का आयात भी कर रहा है।
- (iii) एसआई ने इस जांच में भाग नहीं लिया है जो स्पष्टतः यह दर्शाता है और स्पष्ट करता है कि इस पर आयातों का विपरीत प्रभाव नहीं पड़ा है। एचओसीएल को होने वाली क्षति के लिए आयात उत्तरदायी नहीं है परंतु उसे यह घाटा अन्य कारणों से हो रहा होगा।
- (iv) यह नहीं कहा जा सकता है कि सभी निर्यात पाटित हैं। यह दावा अतिशयोक्तिपूर्ण और भ्रामक है।
- (v) फिनाल की कीमतों का निर्धारण वैश्विक रूप से (मांग-आपूर्ति आधार पर) किया जाता है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार द्वारा लगाया गया कोई भी (पाटनरोधी शुल्क) प्रतिबंध डब्ल्यूटीओ करार के उल्लंघन में होगा, विशेष रूप से तब, जब याचिकाकर्ता कंपनी केवल 12 प्रतिशत मांग को ही पूरा कर सकती हो।
- (vi) एचओसीएल का संयंत्र बहुत पुराना है और वह उत्पादन करने में अक्षम है। एचओसीएल ने अपनी युगों पुरानी प्रौद्योगिकी और संस्थापित क्षमता का कभी अद्यतनीकरण एवं उन्नयन नहीं किया और उसे घाटे के लिए यही मुख्य कारण हो सकता है।
- (vii) पब्लिक सेक्टर के इस संयंत्र में अक्षमताएं हैं। एचओसीएल में स्टाफ बहुत अधिक है। इसने अपने फिनाल संयंत्र में 300 व्यक्तियों को लगा रखा है जो यदि अपनी पूर्ण क्षमता से उत्पादन करे तो रोज 100 एमटी फिनाल का उत्पादन कर सकता है। इसलिए एचओसीएल को यह घाटा अपनी अक्षमताओं के कारण ही हुआ है।
- (viii) इससे जनहित एवं प्रयोक्ताओं को घाटा हो रहा है। फिनाल का प्रयोग निर्णायक डाउनस्ट्रीम उद्योगों जैसे प्लाईवुड, पार्टिकल बोर्ड आदि में किया जाता है। फिनाल पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए किए गए किसी प्रयास का इन उद्योगों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा और उसके परिणामस्वरूप, उसमें नियोजित व्यक्ति भी प्रभावित होंगे। भारत में 2000 से अधिक लघु एवं मध्यम दर्जे के उद्योग प्लाईवुड और पार्टिकल बोर्ड का निर्माण करते हैं।
- (ix) एसीटोन और फिनाल के बीच व्यय को आबंटित करने की क्रियापद्धति एक जांच से दूसरी जांच में परिवर्तित होती रहती है। फिनाल एसीटोन के साथ एक संयुक्त उत्पाद है। प्रत्येक जांच में एचओसीएल ने फिनाल और एसीटोन की लागत निर्धारण की अलग क्रियापद्धति अपनाई है। इसकी विस्तृत जांच किए जाने की आवश्यकता है।
- (x) संबद्ध वस्तु की घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध उत्पादन क्षमता प्रतिवर्ष 74200 एमटी की है जबकि घरेलू बाजार में इसकी मांग 2,25,556 एमटी की है जैसाकि प्रारंभिक जांच परिणाम में पाया गया है। घरेलू उद्योग अपनी पूर्ण उत्पादन क्षमता से भी भारत की कुल मांग का अधिकतम 32.89 प्रतिशत को ही पूरा कर सकता है।
- (xi) इंस्टीट्यूट आफ इंडियन फाउंड्रीमैन (आई आई एफ) एक राष्ट्रीय स्तर का शीर्ष उद्योग निकाय है जो भारतीय फाउंड्री उद्योग का प्रतिनिधित्व करता है। फिनाल का प्रयोग फाउंड्री उद्योग में सैंड तैयार करने के लिए रेजिन बनाने हेतु किया जाता है। इस उद्योग से लगभग 2 मिलियन लोगों को रोजगार मिला है। घरेलू उद्योग प्रतिवर्ष लगभग 65000 एमटी फिनाल का उत्पादन करता है जबकि

विभिन्न उद्योग प्रखंडों में घरेलू उद्योग को फिनाल की कुल जरूरत लगभग 2 50000 एमटी है। फिनाल पर पटनरोधी शुल्क लगाने के लिए किए गए भी प्रयास का विनिर्माण उद्योग खासकर एमएसएमई उद्योग,पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा और इसका ढलाई वस्तुओं के निर्यात पर भी विपरीत प्रभाव होगा और यह राष्ट्रीय हित में नहीं होगा।

- (xii) एसआई को घरेलू उद्योग मानने का एकमात्र कारण यह है कि उच्च अवक्षयण लागत, उच्च खपत मानदंड और एसआई द्वारा नियोजित पूंजी पर उच्चतर प्रतिलाभ के कारण गैर-क्षतिकारी कीमत और सामान्य मूल्य में वृद्धि हो सके।
- (xiii) प्रारंभिक जांच परिणाम और याचिका से तुलना यह दर्शाती है कि एसआई ग्रुप का क्षमता उपयोग 107 प्रतिशत है जबकि घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग केवल 66 प्रतिशत है। एसआई की बिक्री मात्रा में आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है।
- (xiv) एचओसीएल का पीबीआईटी ही जांच की अवधि के दौरान नकारात्मक था। तथापि, एसआई ग्रुपों को शामिल करने के पश्चात जांच की अवधि में इसकी लाभप्रदायकता सकारात्मक हो गई। इसका आशय यह है कि जांच की अवधि के दौरान एसआई ग्रुप को भारी लाभ हो रहा था।
- (xv) जांच की अवधि में घरेलू कीमत में वृद्धि की तुलना में उसी समय के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों की उतराई कीमत में वृद्धि बहुत कम थी। जब संबद्ध देशों से कीमत अधोदहन कम हो गया तो घरेलू उद्योग को लाभ के रूप में उसके निष्पादन में कमी आई।
- (xvi) जांच की अवधि के दौरान अथ भंडार की तुलना में संबद्ध वस्तु के इति स्टॉक स्तर में भारी गिरावट आई।
- (xvii) एचओसीएल के पारिश्रमिक में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में असामान्य रूप से वृद्धि हुई है।
- (xviii) लिखित प्रस्तुतिकरण में लाभ एवं हानि (रुपए/एमटी), लाभ एवं हानि (लाख रुपए), पीबीआईटी (लाख रुपए), नकद लाभ (लाख रुपए) लगाई गई पूंजी पर प्रतिलाभ (लाख रुपए) से संबंधित आंकड़े प्रारंभिक जांच परिणाम में उल्लिखित आंकड़ों से मेल नहीं खाते हैं।
- (xix) प्रकटन पश्चात हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह प्रस्तुत किया गया कि दक्षिण अफ्रीका से होने वाले आयात घरेलू उद्योग को क्षति कारित कर रहे हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच :

47. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न प्रस्तुतिकरणों पर विचार किया है और घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का विश्लेषण रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों और प्रचलित विधियों पर विचार करते हुए, निम्नवत किया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों पर संगत पाई गई सीमा तक विचार किया गया है और उसकी जांच निम्नवत और इस अंतिम जांच परिणाम के संगत खंडों के अंतर्गत की गई है।

- (i) इस तर्क के संबंध में कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करना डब्ल्यू टी ओ करार का उल्लंघन होगा, खासकर तब, जबकि याचिकाकर्ता कंपनी केवल 12 प्रतिशत मांग को ही पूरा करती है; प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण संबद्ध देश से होने वाले आयातों को किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं करेगा, और इसलिए उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। उपभोक्तागण इसकी आपूर्ति के सभी स्रोतों को उचित बाजार कीमतों पर बनाए

रख सकते हैं। इसलिए, पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण का उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा। भारतीय नियमावली और डब्ल्यू टी ओ करार में उस न्यूनतम हिस्से के संबंध में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जिस पर देश में इस उत्पाद की मांग/खपत में घरेलू उद्योग का हिस्सा होना आवश्यक हो जिससे कि वह नियमावली के अंतर्गत पाटन के विरुद्ध किसी समाधान की मांग कर सके।

- (ii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि मैसर्स एसआई ग्रुप को क्षति नहीं हो रही है, प्राधिकारी ने दोनों ही कंपनियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। यह देखा गया कि मैसर्स एसआई ग्रुप के कार्य निष्पादन में पाटित आयातों के कारण क्षति अवधि के दौरान व्यक्तिगत तौर पर भारी गिरावट आई है।
- (iii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि विभिन्न जांचों में एसीटोन और फिनाल के बीच व्यय के आबंटन के लिए क्रियापद्धति में परिवर्तन किया जाता है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि एसीटोन और फिनाल के बीच व्यय का आबंटन/संविभाजन करने के लिए अपनाई गई क्रियापद्धति प्राधिकारी द्वारा इन उत्पादों के संबंध में आयोजित विभिन्न जांचों में संगत रही है।
- (iv) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि एचओसीएल को उसकी अक्षमताओं के कारण क्षति हो रही है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए तर्क के अनुसार इन तथाकथित अक्षमताओं के बावजूद एचओसीएल वर्ष 2010-11 में भारी लाभ अर्जित करने में सक्षम रहा। इसलिए घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट और उसके परिणामस्वरूप उसको होने वाली क्षति के लिए इन पैरामीटरों को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है।
- (v) प्रकटन विवरण पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई इन टिप्पणियों के संबंध में कि कच्चे माल की बाधित आपूर्ति एवं अप्रतिस्पर्धी कीमतों के कारण एचओसीएल को क्षति हुई है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने अपनी प्रत्युक्ति प्रत्युत्तर में यह प्रस्तुतिकरण किया है कि प्रमुख कच्चे माल की अधिप्रापण नीति और कीमत निर्धारण नीति में कोई अंतर नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त, हितबद्ध पक्षकारों ने अपने दावे के प्रमाण के स्वरूप कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।
- (vi) जहां तक इस तथ्य का संबंध है कि दक्षिण अफ्रीका से होने वाले आयात घरेलू उद्योग को क्षति कारित कर रहे हैं, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी दक्षिण अफ्रीका से होने वाले आयातों के संबंध में एक पृथक निर्णायक समीक्षा जांच पहले से ही कर रहा है।
- (vii) घरेलू उद्योग के लिए गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण करने के संबंध में यह नोट किया जाता है कि उसका निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III में उल्लिखित सिद्धांतों के आधार पर किया गया है।

48. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तु के लिए, घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; और (ख) इन वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की उद्देश्यपरक जांच करने का प्रावधान है। पाटित आयातों के मात्रा प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में भारत में उत्पादन और खपत के संगत रूपों में या समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत अधोरदन किया गया है अथवा क्या इन आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को

भारी मात्रा में निग्रहित करता या कीमतों में होने वाली वृद्धि को रोकता जो अन्यथा भारी मात्रा में घटित हुई होती।

49. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा 4 में यह प्रावधान किया गया है कि :-

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उन सभी आर्थिक कारकों एवं अनुक्रमणिकाओं का मूल्यांकन करना शामिल होता है जिनका घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो, इनमें शामिल है बिक्री, लाभ, आउटपुट, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिलाभ, या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक एवं संभावित गिरावट; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, पारिश्रमिक, वृद्धि, पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता पर वास्तविक एवं संभावित ऋणात्मक प्रभाव।"

50. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-II (iv) के अनुसार उन सभी देशों/क्षेत्रों पर विचार किया है जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की प्रमात्रा, स्टॉक, लाभप्रदायकता, निवल बिक्री प्रापण, पाटन का मार्जिन एवं उसकी मात्रा आदि।

संचयी आकलन

51. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (iii) में प्रावधान है कि यदि किसी उत्पाद के एक से अधिक देशों से आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच एक साथ की जा रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी इन आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करेंगे, यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि :-

- (क) प्रत्येक देश/क्षेत्र से आयातों के संबंध में स्थापित पाटन का मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान वस्तुओं के आयात के तीन प्रतिशत से अधिक है या जहां अलग-अलग देशों का आयात तीन प्रतिशत से कम है, तो संचयी आयात समान वस्तु के आयातों का सात प्रतिशत से अधिक होगा, और;
- (ख) आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्त के आलोक में उपयुक्त है।

52. वर्तमान मामले में,

- (क) प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन निर्धारित सीमा से अधिक है ;
- (ख) प्रत्येक देश से आयात की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक है;
- (ग) आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना सही है क्योंकि संबद्ध देशों से आयात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तु से प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यह नोट किया जाता है कि वर्तमान मामले में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने संचयी आकलन किए जाने का विरोध नहीं किया है।

53. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उपयुक्त समझते हैं।

54. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति का विश्लेषण हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना का विश्लेषण करने के पश्चात किया है।

मांग का आकलन

55. प्राधिकारी ने मांग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री, अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री और सभी स्रोतों से भारत को संबद्ध वस्तु के आयातों के योग के रूप में की है। इस तरह आकलित मांग निम्नलिखित तालिका में दर्शायी गई है :-

क्र.सं.	विवरण	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
	भारत में मांग					
1	घरेलू उद्योग की बिक्री	एमटी	73,493	80,041	67,380	64,714
2	संबद्ध देशों की बिक्री	एमटी	47,269	61,178	87,423	1,24,268
3	ताईवान	एमटी	14,080	14,607	37,166	33,890
4	यूएसए	एमटी	33,190	46,571	50,258	90,378
5	वह देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है	एमटी	38,932	23,270	33,445	22,489
6	अन्य देश – आयात	एमटी	11,880	34,088	20,677	14,087
7	मांग/खपत	एमटी	171,574	198,577	208,925	2,25,557

56. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की मांग में संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है और क्षति अवधि के दौरान इसमें भारी वृद्धि हुई है।

च. पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव

(क) आयात मात्रा एवं बाजार हिस्सा

57. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित होता है कि पाटित आयातों में भारत में उत्पादन और खपत के समग्र रूप में या संगत रूप में भारी वृद्धि हुई है या नहीं। क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डी जी सी आई एस से प्राप्त आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा का विश्लेषण निम्नवत किया गया है :

क	आयात - (मात्रा)	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
	संबद्ध देश	एमटी	47,269	61,178	87,423	1,24,268
	ताईवान	एमटी	14,080	14,607	37,166	33,890
	यूएसए	एमटी	33,190	46,571	50,258	90,378
	वह देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है	एमटी	38,932	23,270	33,445	22,489
	अन्य देश	एमटी	11,880	34,088	20,677	14,087
	कुल आयात	एमटी	98,081	1,18,536	1,41,545	1,60,844
ख	आयातों में बाजार हिस्सा					

	संबद्ध देश	%	48.2	51.6	61.8	77.3
	ताईवान	%	14.4	12.3	26.3	21.1
	यूएसए	%	33.8	39.3	35.5	56.2
	वह देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है	%	39.7	19.6	23.6	14.0
	अन्य देश	%	12.1	28.8	14.6	8.8
	कुल आयात	%	100.0	100.0	100.0	100.0
	भारत में खपत के संबंध में आयात	%	57.17%	59.69%	67.75%	71.31%
	भारत में उत्पादन के संबंध में आयात	%	134.64%	146.71%	209.70%	254.40%
ग	मांग में बाजार हिस्सा					
	घरेलू उद्योग की बिक्री	%	42.8	40.3	32.2	28.7
	संबद्ध देश	%	27.6	30.8	41.8	55.1
	ताईवान	%	8.2	7.4	17.8	15.0
	यूएसए	%	19.4	23.5	24.1	40.1
	वह देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है	%	22.7	11.7	16.0	10.0
	अन्य देश-आयात	%	6.9	17.2	9.9	6.2
	कुल हिस्सा	%	100.0	100.0	100.0	100.0

58. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की मात्रा में क्षति अवधि के दौरान समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है। उन देशों से इस संबद्ध वस्तु के आयात में उसी अवधि के दौरान गिरावट आई है जिन पर पाटनरोधी शुल्क पहले से ही लगा है। इसके अतिरिक्त, कुल आयात में संबद्ध देशों के हिस्से में वृद्धि हुई जबकि अन्य देशों के हिस्से में गिरावट आई है। पुनः यह नोट किया जाता है कि भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में भी संबद्ध आयातों में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

कीमत अधोरदन

59. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे हैं, प्राधिकारी ने आयातों की उतराई कीमत की तुलना घरेलू उद्योग के निवल बिक्री प्रापण से की है।

यूएसए

विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
निवल बिक्री प्रापण	रुपए/एमटी	***	***	***	***
उतराई मूल्य	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	% रैंज	20-30	10-20	10-20	5-15

ताईवान

विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
निवल बिक्री प्रापण	रुपए/एमटी	***	***	***	***
उतराई मूल्य	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	% रेंज	0-10	0-10	0-10	5-15

संबद्ध देश

विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
निवल बिक्री प्रापण	रुपए/एमटी	***	***	***	***
उतराई मूल्य	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	% रेंज	10-20	10-20	5-15	5-15

60. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की उतराई कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की तुलना में बहुत कम है जिससे संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण भारी कीमत अधोरदन हो रहा है।

कीमत अधोविक्रयण

61. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा वहन किए जा रहे कीमत अधोविक्रयण की भी निम्नवत जांच की है :

विवरण	मापन की इकाई	यूएसए	ताईवान	संबद्ध देश
गैर-क्षतिकारी कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***
उतराई कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***
कीमत अधोविक्रयण	रुपए/एमटी	***	***	***
	%	0-10	0-10	0-10

62. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को भारी कीमत अधोविक्रयण सहन करना पड़ा है।

कीमत निग्रहण एवं अवमंदन

63. यह निर्धारित करने के उद्देश्य से कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों का निग्रहण अथवा अवमंदन कर रहे हैं और क्या इन आयातों का प्रभाव कीमतों को भारी मात्रा में निग्रह करना अथवा उन्हें बढ़ने से रोकना है जो अन्यथा भारी मात्रा में घटित हुआ होता, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान लागत एवं कीमत में होने वाले परिवर्तनों पर विचार किया है।

विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
उत्पादन लागत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	121	133	152
बिक्री कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	150	140	141
उतराई कीमत-संबद्ध देश	रुपए/एमटी	52,621	82,317	80,476	83,789
प्रवृत्ति		100	156	153	159

64. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत वर्ष 2011-12 तक घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से बहुत अधिक है। इसके अतिरिक्त, जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु इनपुट लागत में भारी वृद्धि हुई जिसके कारण घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में भारी बढ़ोतरी हुई। तथापि, संबद्ध वस्तु के आयातों का उतराई मूल्य वर्ष 2010-2011 तथा 2011-2012 को छोड़कर क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत से बहुत कम था, इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग अपनी उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप अपनी बिक्री कीमत में वृद्धि नहीं कर सका। अतः घरेलू उद्योग की कीमतों का जांच की अवधि के दौरान भारी कीमत निग्रहण हुआ। तथापि, क्षति अवधि के दौरान कोई कीमत अवमंदन नहीं हुआ।

घरेलू उद्योग के आर्थिक पैरामीटर

65. पाटनरोधी नियमावली का अनुबंध-II यह अपेक्षा करता है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की उद्देश्यपरक जांच करना अंतर्ग्रस्त होगा। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में नियम पुनः यह प्रावधान करता है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उन सभी संगत आर्थिक कारकों और देशनाकों का उद्देश्यपरक एवं पक्षपात रहित मूल्यांकन शामिल होगा जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, इसमें बिक्री, लाभ, आउटपुट, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिलाभ या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित कमी, घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, वेतन, वृद्धि, पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता पर वास्तविक एवं संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल है। घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन की जांच यह व्यक्त करती है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति सहन करनी पड़ी है।

66. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति पैरामीटरों का उल्लेख निम्नलिखित किया गया है :-

(क) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री

घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा निम्नलिखित है :-

क्र.सं.	विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
1	क्षमता	एमटी	74,200	74,200	74,200	74,200
2	उत्पादन	एमटी	72,850	80,796	67,500	63,224
3	क्षमता उपयोग	%	98.18%	108.89%	90.97%	85.21%
4	घरेलू बिक्री	एमटी	73,430	80,020	67,361	64,712

67. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में वर्ष 2010-11 तक वृद्धि हुई और उसके पश्चात् इसमें भारी गिरावट आई। पुनः, यह नोट किया जाता है कि बाजार में भारी मांग के बावजूद घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का पूरा-पूरा उपयोग करने में सक्षम नहीं हुआ।

(ख) बाजार हिस्सा

68. पाटित आयातों का घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों और बाजार हिस्से पर प्रभाव की जांच निम्नवत की गई है :-

क्र.सं.	मांग में बाजार हिस्सा	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
1	घरेलू उद्योग की बिक्रियां	%	42.8	40.3	32.2	28.7
2	संबद्ध देश	%	27.6	30.8	41.8	55.1
	ताईवान	%	8.2	7.4	17.8	15.0
	यूएसए	%	19.4	23.5	24.1	40.1
3	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है	%	22.7	11.7	16.0	10.0
4	अन्य देश आयात	%	6.9	17.2	9.9	6.2
	कुल हिस्सा	%	100.0	100.0	100.0	100.0

69. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है जबकि संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है।

(ग) लाभ, लगाई गई पूंजी पर प्रतिलाभ और नकद लाभ

70. घरेलू उद्योग के लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ और नकदी प्रवाह की जांच निम्नवत की गई है :-

विवरण	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
उत्पाद लागत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	121	133	152
बिक्री कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	150	140	141
लाभ/हानि	रुपए/एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	571	233	-16

विवरण	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
लाभ/हानि	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	622	214	-14
ब्याज कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	546	199	8
लगाई गई पूंजी पर प्रति-लाभ	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	473	204	10
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	574	203	-5

71. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के लाभ में जांच की अवधि में भारी गिरावट आई है। यद्यपि वर्ष 2010-11 में लाभ में कुछ वृद्धि हुई परंतु उसके पश्चात इसमें भारी गिरावट आई और यह नोट किया जाता है कि जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को वित्तीय क्षति हुई है। जांच की अवधि में ब्याज पूर्व लाभ, नकद लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ ने भी लाभ की तरह ही प्रवृत्ति अपनाई है।

घ. मालसूची

72. संबद्ध वस्तु की मालसूची से संबंधित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं :-

मालसूची	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
अथ भंडार	एमटी	***	***	***	***
इति भंडार	एमटी	***	***	***	***
औसत भंडार	एमटी	2,086	2,142	2,520	1,871
औसत भंडार	अनुक्रमणिका	100	103	121	90

73. यह नोट किया जाता है कि औसत भंडार में वर्ष 2011-12 तक वृद्धि हुई और उसके पश्चात् जांच की अवधि में इसमें गिरावट आई।

(ड.) रोजगार एवं वेतन

74. घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर और वेतन की स्थिति निम्नलिखित है :-

विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
कर्मचारियों की सं.	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	112	100	102
वेतन	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	300	252	250

75. यह देखा जाता है कि क्षति अवधि के दौरान रोजगार में मामूली सी वृद्धि हुई जबकि क्षति अवधि के दौरान वेतन में भारी वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

च. उत्पादकता

76. घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नलिखित तालिका में दी गई है :-

विवरण	मापन की इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	98	93	85
प्रतिदिन उत्पादकता	एमटी	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	111	93	87

77. यह नोट किया जाता है कि प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में और प्रतिदिन उत्पादन के रूप में उत्पादकता में क्षति अवधि में उत्पादन में गिरावट के अनुरूप ही गिरावट आई है।

(छ) पाटन की मात्रा

78. पाटन की मात्रा, जो इस बात का संकेतक है कि पाटित आयातों द्वारा किस हद तक घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाई जा सकती है, दर्शाती है कि संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम से ज्यादा और बहुत अधिक है।

(ज) पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता

79. पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता के संबंध में यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद में कोई नवीन निवेश नहीं किया है। इसके अतिरिक्त, यद्यपि मांग घरेलू उद्योग की क्षमता की तुलना में बहुत अधिक है, फिर भी घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का उपयोग नहीं कर सका और घाटा सहन कर रहा है।

(झ) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

80. संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयात कीमतों, लागत ढांचे में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों के अलावा उन अन्य कारकों पर विचार करने से, जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं, यह स्पष्ट होता है कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का उतराई मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और उत्पादन लागत से कम है, जिससे भारतीय बाजार में भारी कीमत अधोरदन और कीमत अधोविक्रयण कारित किया जा रहा है। पुनः, यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु का अन्य देशों से आयात या तो काफी उच्चतर कीमतों पर किया गया है या उन पर पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित है। इस उत्पाद का कोई व्यवहार्य प्रतिस्थानी नहीं है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु की मांग क्षति अवधि के दौरान भारी वृद्धि प्रदर्शित कर रही थी और यह वह कारक नहीं हो सकता है जिसका घरेलू उद्योग पर प्रभाव पड़ा हो। अतः वह मुख्य कारक जिसका घरेलू कीमतों पर प्रभाव पड़ा होगा, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का उतराई मूल्य तथा कच्चे माल की लागत है।

(ञ) वृद्धि

81. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की आयात मात्रा में भारी वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक पैरामीटरों की जांच करने के पश्चात यह नोट किया जाता है कि मात्रा प्राचलों और कीमत प्राचलों दोनों ने वर्ष 2010-11 तक सुधार प्रदर्शित किया है और इनमें उसके पश्चात जांच की अवधि में गिरावट आई है।

जांच की अवधि में घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा सहन करना पड़ा। अतः, जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की समग्र वृद्धि विपरीत रही है।

वास्तविक क्षति संबंधी निष्कर्ष

82. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कीमत एवं मात्रा प्रभाव और घरेलू उद्योग पर उसके प्रभाव की जांच करने के पश्चात, यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों में समग्र रूप से और भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन और खपत के रूप के संबंध में भारी वृद्धि हुई है। मात्रा संबंधी अन्य पैरामीटरों जैसे घरेलू उद्योग की बिक्री, उत्पादन और क्षमता उपयोग की जांच किए जाने के पश्चात यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण भारी मात्रात्मक क्षति सहन करनी पड़ी है। इसके अतिरिक्त, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण कीमत प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का भारी कीमत अधोरदन और कीमत अधोविक्रयण कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के कारण कीमत निग्रहण सहन करनी पड़ी है क्योंकि संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत में उस अनुपात में वृद्धि नहीं की जा सकी जिस अनुपात में क्षति अवधि के दौरान इसकी उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में उत्पादन, क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्री, बाजार हिस्सा, नकदी प्रवाह, लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ, उत्पादकता और मालसूची के संबंध में गिरावट आई है। लाभ, निवेश पर प्रतिलाभ, और नकदी प्रवाह में यह गिरावट बहुत अधिक एवं वास्तविक है। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

छ. अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संबंध

83. कीमत अधोरदन, अधोविक्रयण और कीमत निग्रहण एवं कीमत अवमंदन प्रभाव के रूप में घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति, घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत प्रभाव की मौजूदगी की जांच करने के पश्चात पाटनरोधी संबंधी करारों और भारतीय नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य संकेतक पैरामीटरों की प्राधिकारी द्वारा जांच यह देखने के लिए की गई कि क्या पाटित आयातों के अलावा कोई अन्य ऐसा कारक भी है जो घरेलू उद्योग को क्षति में अपना योगदान दे सकता है।

(क) तृतीय देश से आयात तथा अन्य ज्ञात कारक

84. तृतीय देशों से आयात नगण्य थे या वे पहले से ही पाटनरोधी शुल्क के अधीन हैं और वे घरेलू उद्योग को क्षति कारित नहीं कर सकते हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देशों के अलावा अन्य देशों से तथा उन देशों से जिनपर पाटनरोधी शुल्क लगा है संबद्ध वस्तु के अधिकांश आयात संबद्ध देशों से होने वाले आयातों से उच्चतर कीमतों पर हुए हैं।

(ख) मांग में संकुचन और खपत की प्रणाली में परिवर्तन

85. संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान संबंधित उत्पाद की मांग में निरंतर वृद्धि हुई है। मांग में संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का एक कारण नहीं हो सकता है।

(ग) प्रौद्योगिकी में विकास

86. प्रौद्योगिकी के विकास का न तो कोई आरोप है और न ही अब तक की गई जांच से यह व्यक्त हुआ है कि घरेलू उद्योग को संभावित क्षति प्रौद्योगिकी में विकास के कारण कारित की जा सकती है।

(घ) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं और घरेलू एवं विदेशी उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

87. ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रिया नहीं है जो घरेलू उद्योग को क्षति का एक संभावित कारण हो सकती हो।

(ङ.) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

88. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग पूर्णतया घरेलू बाजार पर आधारित हैं न कि निर्यातों पर। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि घरेलू उद्योग को क्षति कारित करने का यह एक कारण हो सकता है।

(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

89. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादन में गिरावट के परिणामस्वरूप इस अवधि के दौरान उत्पादकता प्रति कर्मचारी और उत्पादकता प्रतिदिन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में कमी आई है। उत्पादन में यह गिरावट देश में संबद्ध वस्तु के आयातों में वृद्धि के कारण आई है।

कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले पैरामीटर

90. इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि यद्यपि सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारक यह प्रदर्शित नहीं करते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति इन कारकों के द्वारा कारित की गई है, निम्नलिखित पैरामीटर यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों द्वारा ही पहुंचाई गई है।

- क. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में तेजी से वृद्धि हुई जिसके परिणामस्वरूप भारत में उस उत्पाद की मांग में पाटित आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने अपना बाजार हिस्सा खो दिया।
- ख. आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का भारी मात्रा में अधोरदन कर रहे थे। इसके परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग अपनी कीमतों में वृद्धि उस अनुपात में नहीं कर सका जिस अनुपात में उसकी लागत में वृद्धि हुई है। इस प्रकार, आयातों के परिणामस्वरूप जांच की अवधि में आयातों द्वारा कीमतों का निग्रहण किया जा रहा है जिसका घरेलू उद्योग सामना कर रहे हैं।
- ग. विचाराधीन उत्पाद के आयात घरेलू कीमतों का अधोरदन कर रहे थे जिसके परिणामस्वरूप आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई। इस के परिणामस्वरूप, जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा में भारी गिरावट आई है।
- घ. लाभ, नकदी प्रवाह और निवेश पर प्रतिलाभ में घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में गिरावट आई है।
- ङ. यथानिर्धारित पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन का स्तर बहुत अधिक माना गया है।

(ज) क्षति मार्जिन की मात्रा

91. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की निर्धारित गैर-क्षतिकारी कीमत की तुलना जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए संबद्ध देशों से निर्यात के उतराई मूल्य से की गई। इस तरह निर्धारित क्षति मार्जिन निम्नलिखित है :-

देश	उत्पादक	निर्यातक	क्षति मार्जिन (अम. डा./एमटी)	क्षति मार्जिन (%)	भारित औसत क्षति मार्जिन (अम. डा./एमटी)	भारित औसत क्षति मार्जिन (%)	क्षति मार्जिन % रेंज
चाइनीज ताइपेई	फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन	फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन	***	***	***	***	0-10
	फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन	कोलमर ग्रुप एजी स्विटजरलैंड	***	***			
	ताईवान प्रासपैरिटी कैमिकल कारपोरेशन, चाइनीज ताइपेई	ताईवान प्रासपैरिटी कैमिकल कारपोरेशन, चाइनीज ताइपेई	***	***	***	***	0-10
	ताईवान प्रासपैरिटी कैमिकल कारपोरेशन, चाइनीज ताइपेई	कोलमर ग्रुप एजी स्विटजरलैंड	***	***			
	चाइनीज ताइपेई के अन्य सभी उत्पादक और निर्यातक	चाइनीज ताइपेई के अन्य सभी उत्पादक और निर्यातक	***	***			15-25
यूएसए	यूएसए के अन्य सभी उत्पादक एवं निर्यातक	यूएसए के अन्य सभी उत्पादक एवं निर्यातक	***	***			0-10

(झ) भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

92. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का सामान्य रूप से प्रयोजन पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा घरेलू उद्योग को कारित की जा रही क्षति का उपशमन करना होता है जिससे कि भारतीय बाजार में मुक्त एवं पक्षपातरहित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनर्स्थापित हो सके, जो कि देश के आम हित में है। पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण संबद्ध देशों से आयातों को किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं करता है और इसलिए उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

93. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण, संबद्ध वस्तु का प्रयोग करके विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर को प्रभावित कर सकता है और इसके परिणामस्वरूप इस उत्पाद की संगत प्रतिस्पर्धात्मकता पर इसका कुछ प्रभाव हो सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा, खासकर तब जब पाटनरोधी शुल्क का उदग्रहण घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का शमन करने के लिए आवश्यक राशि तक प्रतिबंधित कर दिया जाता है तो, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से पाटन की प्रक्रियाओं द्वारा अर्जित अनुचित लाभ दूर होगा, इससे घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में आने वाली गिरावट का शमन होगा और इस संबद्ध वस्तु की उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में सहायता मिलेगी। जहां तक विनिर्माण उद्योग की लागत प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव के संबंध में इंडियन इंस्टीट्यूट आफ फाउंड्रीमैन के तर्क का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण देश में इसके आयातों को प्रतिबंधित नहीं करेगा और

इससे इस उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

सिफारिशें

94. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष निकालते हैं :-

- (क) संबद्ध देशों से इस विचाराधीन उत्पाद का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया जिसके परिणामस्वरूप इस उत्पाद का पाटन हुआ।
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई।
- (ग) घरेलू उद्योग को यह वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

95. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच प्रारंभ की गई और इसकी सभी हितबद्ध पक्षकारों को सूचना दी गई और पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया। पाटनरोधी नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के बारे में जांच प्रारंभ एवं आयोजित करके और इन पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को कारित वास्तविक क्षति और सकारात्मक पाटन मार्जिन सिद्ध करने के पश्चात, प्राधिकारी का विचार है कि जांच की पूर्णता लंबित होने के कारण पाटन एवं परिणामी क्षति को दूर करने के लिए निर्णायक शुल्क का अधिरोपण करना आवश्यक है। अतः, प्राधिकारी इसे आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर निम्नलिखित वर्णित स्वरूप और ढंग से निर्णायक पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश करते हैं।

96. प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले न्यूनतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन के मार्जिन एवं क्षति के मार्जिन के न्यूनतर के बराबर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश करते हैं जिससे कि घरेलू उद्योग की क्षति दूर हो सके। तदनुसार, संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर अधोलिखित तालिका के कालम-8 में विनिर्दिष्ट राशि के अनुरूप निर्णायक पाटनरोधी शुल्क केंद्रीय सरकार द्वारा अधिरोपित करने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	उप-शीर्षक या प्रशुल्क मद	वस्तु विवरण	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	मुद्रा	इकाई
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	29071110	फिनाल	चाइनीज ताइपेई	चाइनीज ताइपेई	फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन	फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन	78.97	अमरीकी डालर	एमटी
2	29071110	फिनाल	चाइनीज ताइपेई	स्विटजरलैंड	फोरमोसा कैमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन	कोलमर ग्रुप एजी	78.97	अमरीकी डालर	एमटी
3	29071110	फिनाल	चाइनीज ताइपेई	चाइनीज ताइपेई	ताईवान प्रासपैरिटी कैमिकल कारपोरेशन	ताईवान प्रासपैरिटी कैमिकल कारपोरेशन	47.29	अमरीकी डालर	एमटी
4	29071110	फिनाल	चाइनीज ताइपेई	स्वीटजरलैंड	ताईवान प्रासपैरिटी कैमिकल कारपोरेशन	कोलमर ग्रुप एजी	47.29	अमरीकी डालर	एमटी
5	29071110	फिनाल	चाइनीज ताइपेई	चाइनीज ताइपेई	क्रम सं. 1 और 4 के अलावा कोई अन्य संयोजन		196.24	अमरीकी डालर	एमटी
6	29071110	फिनाल	चाइनीज ताइपेई	चाइनीज ताइपेई तथा उन देशों को छोड़कर कोई अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है।	कोई	कोई	196.24	अमरीकी डालर	एमटी
7	29071110	फिनाल	कोई	चाइनीज ताइपेई तथा उन देशों को छोड़कर कोई अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है।	कोई	कोई	196.24	अमरीकी डालर	एमटी
8	29071110	फिनाल	यूएसए	यूएसए	कोई	कोई	159.63	अमरीकी डालर	एमटी
9	29071110	फिनाल	यूएसए	यूएसए तथा उन देशों को छोड़कर कोई अन्य देश	कोई	कोई	159.63	अमरीकी डालर	एमटी

क्र. सं.	उप-शीर्षक या प्रशुल्क मद	वस्तु विवरण	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	मुद्रा	इकाई
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है।					
10	29071110	फिनाल	यूएसए तथा उन देशों को छोड़कर कोई अन्य देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगा है।	यूएसए	कोई	कोई	159.63	अमरीकी डालर	एमटी

97. उपर्युक्त के अध्यक्षीन, प्राधिकारी दिनांक 05 मार्च, 2014 के प्रारंभिक जांच परिणाम की संपुष्टि करते हैं।

98. इस जांच परिणाम को केंद्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के पश्चात 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क प्रशुल्क नियमावली, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पादक और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सेस्टेट) में इसके विरुद्ध अपील की जा सकती है।

जे. के. दादू निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING & ALLIED DUTIES

NOTIFICATION

Final finding

New Delhi, the 6th August, 2014

Sub: Anti-dumping investigation concerning imports of Phenol originating in or exported from Taiwan and USA-Final Findings

No.14/17/2012-DGAD.—Having regard to Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

A. BACKGROUND AND PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed:

- The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the above Rules, received a written application from M/s Hindustan Organic Chemicals Limited (hereinafter referred to as the Applicant) on

behalf of the domestic industry, alleging dumping of Phenol originating in or exported from Chinese Taipei and USA (hereinafter referred to as subject countries).

- (ii) Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicant. The application was, therefore, considered as properly documented.
- (iii) The Authority notified the embassies of the subject countries in India about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5 (5) of the AD Rules.
- (iv) The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the Applicant to justify initiation of the investigation, decided to initiate the investigation against imports of the subject goods from the subject countries.
- (v) The Authority issued a public notice dated 7th May, 2013 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
- (vi) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the Applicant) and industry associations and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.
- (vii) The Authority also forwarded a copy of the public notice to all the known importers of the subject goods in India and advised them to make their views in writing within forty days from the date of the letter.
- (viii) The Authority provided a copy of the non-confidential version of application to the known exporters and the embassy of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the Application was also provided to other interested parties, wherever requested.
- (ix) The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules :

M/s. Deckota Gasification Company 1600 East Interstate Avenue, PO Box No. 5540 Bismarck Nd 58506-5540 USA.	M/s. Dow Chemical Co. (979) 238-2011 2301 N Brazosport Blvd Freeport, Tx 77541 USA.
M/s. Georgia Gulf Pasadena 3503, Pasadena Freeway PO Box No. 1959 Zip 77501 Pasadena Texas, USA	M/s. Shell Chemicals Deer Park Chemical Plant & Refinery 5900 Highway 225 Deer Park Texas USA
M/s. Formosa Chemicals & Fibre Corporation Formosa Plastics Group 201 Tung Hwa North Road Taipei (Taiwan Roc.), Taiwan	Taiwan Prosperity Chemical Corporation 9F, No 113, Chung Shan N. Road., Sec. 2, Chinese Taipei, Taiwan
Chang Chun Plastics Co. Ltd (CCP) 301 Songkiang Road, 7th Floor, Taipei 104, Taiwan	

M/s Taiwan Prosperity Chemical Corporation, (TPCC) (Producer & Exporter), M/s Kolmar Group AG., Switzerland., (Exporter) and M/s Formosa Chemicals & Fibre Corporation ("FCFC")(Producer & Exporter) have filed questionnaire responses.

- (x) Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

Importers and Consumers	Importers and Consumers
M/s. C.J. Shah and Company 105, Bajaj Bhawan 10th Floor, Nariman Point, Mumbai- 400021.	M/s. Haresh Kumar & Co. Acme Plaza 405, 4th floor M. Vasanji Marg, Vile Parle (W), Mumbai 400 056
M/s. PCL Oil & Industries M-105, Connaught Place New Delhi-110001	M/s. Kantilal Manilal & Co. Pvt. Ltd. Apeejay Chambers, 1st floor, Wallace Street, Fort, Mumbai 400 001
M/s Sonkamal Enterprises 602, 6th floor, Sunil Enclave, Sahar, Pareira Hill Road, Andheri (E), Mumbai 400 099	M/s. Khetan Brothers C-17, Dalia Industrial Area Off New Link Road, Opposite Laxmi Industrial Estate Andheri (West) Mumbai-400 058
M/s. Shubham Dyes & Chemicals Limited 1/26, Roop Nagar, Delhi-110 007	M/s. Acron Enterprises Plot No. 218-219/3, G.I.D.C, Naroda, Ahmedabad Pin Code- 382330, Gujarat.

M/s. Naiknavare Chemicals Limited 1, Vidya Bhavan, 121, Keluskar Road Shivaji Park, Dadar (West) Mumbai (Maharashtra).	M/s. Paras Dyes & Chemicals 12th Floor, Vijaya Building 17 Barakhamba Road, New Delhi-1
M/s. Torrent Pharmaceuticals Limited, Ashram Road, Ahmedabad Road 380009, Gujarat	M/s. United Phosphorus Ltd. Eadymoney Terrace, 167, Dr. Annie Basant Road Worli, Mumbai-400 018
M/s. Resins & Plastic Ltd. Cross Rd. B, Mumbai-400093	M/s. Kailash Polymers 60, Krishna Market, Kalkaji, New Delhi.
M/s Centrum Metalics Pvt. Ltd. W-228, TTC Industrial Area, Koparkhairne, MIDC Navi Mumbai 400 703	M/s. Wonder Laminates Pvt. Ltd. 14, Bhasa, Diamond Harbor Road, Kolkata
M/s. Meghdev Enterprises 3rd floor, Shree Complex Srinagar Society, Sardar Patel Rd. (Stadium Road) Navrangpura, Ahmadabad	M/s. Satguru International 204-D, Pocket-12, Jasola Vihar, Opp. Appolo Hospital, New Delhi
M/s. High Polymer Labs Ltd. 803, Vishal Bhavan, 95, Nehru Place, New Delhi	M/s. Rainbow colours & Chemicals 14/A, Bhavik Complex Ghod Dod Rd., Surat, Gujrat
M/s. M/s. Bleach Marketing Pvt. Ltd. 120, Bleach Chem Compound, Nr. Chandola, Ahmedabad	M/s. Karmen International (P) Ltd. 31A/20, NP, Sidco Industrial Estate, Che, Chennai
M/s. Krishna Antioxidants Pvt. Ltd. Lopes Maner, I C Colony, Near Chandra Ho, Mumbai	M/s. NGP Industries Ltd. M-13, Punj House, New Delhi
Farmson Pharmaceutical Gujarat Ltd. 5 th Floor, Commerce Centre, Sayajigunj, Baroda	M/s. India Glycols Ltd. C-124, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi
Singh Plasticisers and Resins (I) Pvt. B-316, 3 rd Floor, Somdutt Chamber-1 Bhika, New Delhi	M/s. National Plywood Industries Ltd. 5, Fancy Lane, 700 001, Kolkata
Kundan Rice Mills Ltd. D-17, Century Market, Parshant Vihar, Delhi-110085	

(xi) The following importers and users have responded to the initiation notification/

- The Institute of Indian Foundryman
- Indian Laminate Manufacturers' Association
- Century Plywood (I) Ltd.
- M/s Sandeep organics Pvt Ltd.

- None of the importers/consumers except M/s Century Plywood (I) Ltd has filed response to the importers questionnaire. In view of the above, all other importers have been treated as non cooperative.
- The Authority issued Preliminary finding on 5th March, 2014 and a copy of the same was placed on the website. The Authority held an oral hearing on 19th June, 2014 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6 (6). The parties who attended the oral hearing were advised to file written submissions of the information presented orally. The interested parties were allowed to present rejoinders on the views/information presented by the other interested parties. The Authority has considered submissions received from the interested parties appropriately.
- The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
- Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary.

- (xvi) The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry;
- (xvii) Investigation was carried out for the period starting from January, 2012 to December, 2012 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from April 2009-March, 2010, April, 2010-March, 2011, April, 2011 to March, 2012 and the Period of Investigation (POI). Central Government granted extension of time up to 6th August, 2014 for completing the antidumping investigation and notifying the final findings.
- (xviii) In accordance with Rule 16 of Rules Supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties vide disclosure statement dated 23rd July, 2014 and comments received thereon, considered relevant by the Authority, have been addressed in this notification. The following parties have submitted comments to the disclosure statement
 - 1. The domestic industry
 - 2. M/s The Institute of Indian Foundryman
 - 3. M/s Century Plywood (I) Ltd.
 - 4. M/s Sandeep organics Pvt, Ltd,

*** in this Notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules
- (xix) Exchange rate for conversion of US\$ to Rs. is considered for the POI as Rs.53.69 as per customs data.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

Views of the Domestic industry

- 2. The views of the domestic industry are as follows:
 - (a) The product under consideration is Phenol originating in or exported from USA and Chinese Taipei.
 - (b) Phenol is a basic organic chemical normally classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act. The product is marketed in two forms – bulk and packed. Bulk sales are normally in loose form, whereas packed consignments can be of much smaller container loads and generally packed in drums. Phenol is used in Phenol Formaldehyde Resins, Laminates, Plywood, Particle Boards, Bisphenol-A, Alkyl Phenols, Pharmaceuticals, Diphenyl Oxide etc. This product is classified under Customs Tariff heading no. 29071110.

Views of the other interested parties

- 3. None of the importers, consumers, exporters and other interested parties, has filed any comment or submissions with regard to product under consideration, and like articles.

Examination by the Authority

- 4. The product under consideration in the present investigation is “Phenol”. Phenol is a basic organic chemical normally classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act. The product is marketed in two forms – bulk and packed. Bulk sales are normally in loose form, whereas packed consignments can be of much smaller container loads and generally packed in drums. Phenol is used in Phenol Formaldehyde Resins, Laminates, Plywood, Particle Boards, Bisphenol-A, Alkyl Phenols, Pharmaceuticals, Diphenyl Oxide etc. This product is classified under Customs Tariff heading no. 29071110. However, the said Customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.
- 5. Rule 2(d) of the AD Rules defines like article as follows:

“an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has the characteristics closely resembling those of the articles under investigation”.
- 6. The domestic industry has claimed that the subject goods produced by the domestic industry are identical to the product under consideration being imported into India. The domestic industry has claimed that there is no known

difference in applicant's product and product under consideration exported from the subject countries and the two are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. There is no significant difference in the subject goods produced by the applicant and those exported from the subject countries and both are technically and commercially substitutable.

7. The Authority notes that there is no known difference in subject goods produced by the domestic industry and exported from subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and that imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. In view of the same, the subject goods produced by the domestic industry are being treated as domestic like article to the product under consideration imported from the subject countries in accordance with the anti dumping Rules.

C. Scope of Domestic Industry And Standing

Views of the Domestic industry

8. The views of the domestic industry are as follows :

- (a) The petition has been filed by M/s Hindustan Organic Chemicals Limited and supported by M/s SI Group India Ltd. However, subsequently, M/s SI Group has supplied complete information with the Authority.
- (b) M/s SI Group India Ltd and HOCL are the only domestic producers of the product concerned and therefore constitutes 100% of total Indian domestic production
- (c) M/s SI Group India Ltd, has imported subject goods from Taiwan and USA under duty exemption scheme as well as after paying custom duty. However the imports made have been made mainly for captive consumption and not for sale.
- (d) Imports made by SI Group in relation to Indian production, total imports to India and demand is very low and therefore M/s SI Group should be treated as eligible domestic industry.
- (e) Rule 2(b) has been amended on 1st Dec., 2011 and the word "only" deleted from the Rules to clearly specify that the Designated Authority has discretion in such matters. The fact that the rules grant discretion to the Designated Authority is well established in the matter of Soda Ash before Chennai High Court and in the matter of Melamine before Kolkata High Court.

Views of the other interested parties

9. Views of other interested parties are as follows:

- a. SI cannot be treated as domestic industry in terms of Rule 2(b) of the AD Rules as SI had imported the subject and, accordingly, SI falls in the excluded category of domestic producers.
- b. Certain countries like the USA, have specifically granted discretion to the Authority vide use of language. There is no such permissive language in Rule 2(b) of the Indian AD Rules, 1995.
- c. Post disclosure, it has been reiterated that SI cannot be treated as domestic industry in terms of Rule 2(b) of the AD Rules as SI had imported the subject goods.

Examination by the Authority

10. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers":

11. The application was filed by M/s Hindustan Organic Chemicals Limited (HOCL) as the domestic industry of the subject goods in India. The only other domestic producer, M/s SI Group India Ltd, supported the application at the time of initiation and was therefore considered as a supporter of the application. However, M/s SI group has subsequently given complete information relevant to the investigation. It is noted that both the domestic producers together account for total Indian production of subject goods in the country.
12. It has been contended that SI Group should not be treated as eligible domestic industry and the Authority does not have the discretion to treat an importer of the subject goods as domestic industry. It is noted that Hon'ble High Court of Chennai and Hon'ble High Court of Kolkata had confirmed that the Designated Authority has discretion to consider in appropriate case, an importer of the product under consideration, as an eligible domestic industry.

13. In the present investigation, It is noted M/s SI Group India Ltd. has imported *** MT of subject goods from subject countries out of which, *** MT of subject goods have been imported under duty exemption scheme and was under export obligation to export product produced from the Phenol. The company had imported *** MT after paying duty and the company has submitted that imports made by the company are primarily for the captive consumption. It is noted that imports made by the company constitutes ***% of its total production and 3% of the total imports into the country. The Authority notes that imports under duty exemption scheme was meant to manufacture other product for export purpose and were not intended for consumption in the country. In view of the above, the Authority notes that imports made by SI Group-India Ltd. were not made available in the market and it is further noted that the primary purpose of imports was not to trade in Phenol that has been indicated from the evidence that imports were cleared either under duty exemption scheme meant for export purpose or for captive consumption. Therefore, the Authority holds that the imports made by SI Group did not disqualify it from being part of the domestic industry.
14. Both the companies are not related to any importer or exporter of the product under consideration. It is thus determined that the application has been made by or on behalf of the domestic producers i.e M/s HOCL and M/s SI group and the application satisfies the requirements of 'standing' under Rule 5 of the AD Rules. Further, the M/s Hindustan Organic Chemicals Limited and SI Group India Ltd. together constitute 'Domestic Industry' in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.

D. Miscellaneous Issues

Views of the Domestic industry

15. Views of the domestic industry are as follows:
- The dumping margin established in a large number of cases is on the basis of admission of discriminatory price at which goods have been sold by the foreign producers.
 - SI Group submitted its complete data after initiation of the investigation. The interested parties had information on HOCL from the petition and had combined information from the provisional findings.
 - It is grossly incorrect to state that commerce website contains only financials year wise data. In fact, commerce website does give quarterly data after end of each quarter. In fact, evidence enclosed with the petition itself shows that Dec. 12 data was downloaded from the commerce website.
 - As regards the contention that HOCL has survived since its inception by use of trade defense instruments, it is submitted that HOCL commenced operations sometime in 1960 and the first trade defense action was invoked by Govt. of India sometime in 2010. The investigation conducted so far by the Designated Authority relating to Phenol and Acetone establishes dumping in a large number of cases on the basis of questionnaire responses filed by the exporters.

Views of other interested parties

16. Views of other interested parties are as follows:
- Domestic industry has not revised the application on account of change in the composition of the Domestic Industry so as to incorporate the information of SI. Accordingly, interested parties are prevented from the opportunity of offering their comment on the application filed by the domestic industry which is against the principle of natural justice.
 - Designated Authority is obliged to provide at the earliest opportunity the full text of the application for the domestic industry as a whole to all interested parties as soon as the investigation is initiated.
 - HOCL has been a sick unit for more than 20 years and has sought protection from Govt. of India by way of BIFR, DG Safeguards and DGAD.
 - The petitioner in the present investigation has claimed excessive confidentiality in particular on account of selling price which can easily be worked out from their annual reports.
 - The Authority should obtain Cost Audit Report of the both companies and verify the accuracy of the cost determination based on the Cost Audit Report.
 - Only financial year wise import data can be extracted from the commerce website and not for a part of the financial year. In such case, we request the petitioner to provide us the information on how they have extracted the import data for the POI from the commerce website.
 - Only financial year wise import data can be extracted from the commerce website and not for a part of the financial year. In such case, we request the petitioner to provide us the information on how they have extracted the import data for the POI from the commerce website.

- viii. Figures provided in MTR (Final Finding FF No. 15/31/2010 dated 09th February, 2012 for the year 2009-2010 do not match with figures provided in the PF issued by the Authority under current investigation.
- ix. Contradictory information has been provided by the domestic industry in the application vis-à-vis Preliminary Findings.
- x. It has been submitted that there is a price difference between drum and bulk. It has also been submitted that coal tar and cumene are two different raw material used in the manufacture of imported Phenol. It has also been submitted that there is a high storage and clearance cost of imported Phenol. It has also been submitted that there is difference in quality of imported and local phenol.
- xi. In post disclosure comments, the interested parties have argued that there is no explicit finding in the MTR that imports from Taiwan is excluded from the import data. Further, it has been argued that import quantities in the MTR should be lower even after assuming that Taiwan is excluded from the import data in the MTR.
- xii. In post disclosure comments, the interested parties have argued that raw import data ought to have been provided to the interested parties so that fruitful comments could have been obtained on the accuracy of the same.
- xiii. It has been submitted that adjustments claimed for initiation is without proper evidence.

Examination by the Authority

17. The Authority has examined the miscellaneous submissions as follows:

- i. As regards the submission that revised application has not been filed by the domestic industry, the Authority notes that the investigation was initiated on the basis of the application filed by M/s HOCL and supported by M/s SI Group and the application on the basis of which the investigation has been initiated was circulated to all the interested parties. However, subsequent to the initiation of the investigation, M/s SI Group submitted its complete data which was placed in the public file. It is noted that no separate application is warranted in such a case as all the information filed before the Authority is available to the interested parties for their comments. It is also noted that there have been instances in past where additional data from domestic producers have been accepted and the applicants were not asked to update the petition.
- ii. As regards the contention that Authority failed to circulate the full text of the application of the domestic industry as whole to all interested parties, it is noted that the Authority verified the adequacy and accuracy of the application filed and thereafter initiated the investigation. The complete application on the basis of which the investigation was initiated was circulated to all the interested parties. Further, as noted above, data filed by M/s SI Group subsequent to the initiation of investigation was placed in the public file for other interested parties comments.
- iii. As regards the contention that HOCL has been a sick unit and has sought protection from DGAD, it is noted that Anti dumping law is for removing unfair trade practice and providing a level playing field to the domestic industry. The Authority recommends anti dumping duty only after following the requirements prescribed under the laws.
- iv. As regards the contention that excessive confidentiality has been claimed by the domestic industry especially on selling price that can be derived from the Annual Report, the Authority notes that the price that is considered by the Authority is the Net Selling Price which cannot be ascertained from the Annual reports. It has been a consistent practice of the authority to permit confidentiality on the net selling price and price related parameters of domestic industry.
- v. As regards the contention that Cost Audit Report needs to be verified, it is noted that the Authority has verified the information filed by the domestic industry based on the records maintained by the petitioner companies and has determined the costing for the domestic industry accordingly.
- vi. As regards the contention that contradictory information provided in the application vis-à-vis Preliminary Findings, the Authority notes that the changes are on account of the verification of the data filed by the petitioners which has been reflected in the preliminary findings.
- vii. As regards the contention that figures of sales of domestic industry, imports from subject countries and total imports for the year 2009-10 notified in the previous finding does not match with the preliminary finding issued, the Authority notes that import data in the mid term review investigation concluded earlier was taken from DGCI&S excluding Taiwan. The Authority had considered the imports based on the data as evidenced by Chinese Taipei customs which correlated with the volume reported by the exporters in their response in that case. However, the Authority has relied on the transaction wise imports data from DGCI&S for all the

- countries in the present investigation. Further as regards the difference in the sales figures of the Domestic industry, the Authority notes that the sales information for M/s SI Group had not been verified in the mid term investigation as M/s SI Group was not part of the DI. It is also noted that the sales figures for HOCL is same.
- viii. As regards the argument that transaction wise import data has not been provided, it is noted that summary data based on transaction wise import data was placed in the public file by the Authority for comments by the interested parties.
 - ix. As regards the argument that imports quantities in the MTR should be lower even after assuming that Taiwan is excluded from the import data in the MTR, it is noted by the Authority that the volume reported by cooperating exporters from Taiwan were higher and was therefore adopted by the Authority in the MTR Final Finding.
 - x. On the issue that adjustments claimed for initiation was without proper evidence, it is noted that initiation of present investigation was made after determining normal value, export price including adjustments to the normal value on a prima facie basis. The present determination of normal value, export price and dumping margin has been made after due examination of subject countries.
 - xi. On the issue of quality difference between imported phenol and local phenol, it is noted that no evidence has been placed on record by any interested party regarding the quality difference.
 - xii. In the Post disclosure comments, the interested parties have mostly reiterated their submissions made earlier in the investigation proceedings. With regard to issues raised by various interested parties post disclosure, on the issue of dumping, injury and causal link, the same has been examined by the Authority under the appropriate headings in this finding.

E. Dumping Margin

Views of the Domestic industry

18. Views of the domestic industry are as follows:

- i. Efforts were made to get information/evidence of price of subject goods in the domestic market of the subject countries. Efforts were also been made to get price lists or quotations of producers of subject goods in Subject countries. However, the petitioner has not been able to get any information/evidence of price of subject goods in the domestic market of Taiwan. Therefore, normal value has been determined considering constructed value approach. Petitioner has determined normal value in subject countries on the basis of cost of production in India, duly adjusted.
- ii. Petitioner had provided details of normal value in USA on the basis of price of subject goods as published in ICIS-LOR.
- iii. Export price has been determined as weighted average import price of the product under consideration after making due adjustments.
- iv. Dumping Margin calculated is substantial.
- v. Questionnaire response filed on behalf of Formosa Chemicals & Fibre Corporation, Taiwan is incomplete. Designated Authority has held in the matter of Solar Cell case that individual dumping margin is impermissible unless the unrelated exporters of the product filed on questionnaire response
- vi. Level of trade adjustment cannot be granted for the reason that the exporter has not established that there are indeed two levels of trade and that there are significant difference on this account which effect price comparability.
- vii. There is no basis for the claim that the normal value and export price must be determined on the basis of date of order. In identifying the date of sale of the subject goods the Authority normally use the date of invoice, as recorded in the exporter's or producer's records.

Views of the interested parties

19. Views of other interested parties are as follows:

- i. FCFC's domestic sales data shows a distinct and consistent difference in price between traders (distributors) and end users. FCFC in general, offers lower price to the distributors. FCFC's export sales were made to Indian or International traders, therefore comparison should be made to FCFC's domestic trader only.
- ii. If dumping margin is worked out on monthly basis date of order should be adopted as date of sale to make comparison of normal value and export price as has been done by the DGAD in past.

- iii. Authority should separately analyze the subject goods sold in loose and packed form and also to calculate separate dumping margin. Application itself goes to show that packing is done in steel drums.
- iv. Weighted average normal value, NIP, Export price and Landed value based on the price and cost details as well as transaction wise import data of the subject goods sold in loose and packed should be taken into account for proper conclusion in terms of law.

Determination of Normal Value

20. Under section 9A (1) (c) normal value in relation to an article means:
 - (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
 - (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);
21. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. However, barring below mentioned producers and exporters, none of the producer/exporter from subject countries have co-operated in this investigation by filing their Questionnaires' responses. The questionnaire response has been filed by the following companies:
 - M/s Taiwan Prosperity Chemical Corporation, (TPCC) (Producer & Exporter)
 - M/s Kolmar Group AG., Switzerland., (Exporter)
 - M/s Formosa Chemicals & Fibre Corporation ("FCFC")(Producer & Exporter)
22. Since the above mentioned companies have filed questionnaire response, dumping margin has been determined in respect of these companies on the basis of their questionnaire response. With regard to level of trade adjustment, it is noted that the exporter has not established a consistent pattern of price difference between price to traders and end consumers. Further, the exporter has not demonstrated that it maintains a declared price list and a consistent difference in its prices to the traders and end consumers. In fact, the exporter has admitted that there is no price list and the prices are fixed with mutual negotiations with the buyers. It is also noted that the exporter has not demonstrated difference in the functions performance by the two levels of trade. With regard to FCFC contention that all Indian sales have been made to Indian distributors or traders, it is noted after examining the response that Indian sales made by FCFC through Kolmar had traders or distributors as well as end users.
23. As regards the contention on the adjustment on account of date of sale, it is noted that the exporter has not been able to establish that date of order reflects the date on which the material terms of the contract, including price, quantity and all other terms of sales were fixed.
24. As regards contention of one of the importers that dumping margin should be determined on the basis of loose and bulk, it is noted that sales volume of the packed material by the exporters from Taiwan in their domestic market are negligible. It is also noted that transaction wise imports received from DGCI&S do not mention loose or bulk in a majority of the transactions. Therefore, in view of the same, instead of doing separate comparison of loose and packed material, packing cost has been removed from packed sales and thereafter comparison has been done on the basis of weighted average price.
25. In the post disclosure statement, interested parties have argued that ICIS prices for USA has been discarded earlier and therefore cannot be adopted, the Authority notes that ICIS prices have been considered relevant and have been accepted as credible information of the prices prevailing in the domestic market of the exporting countries in past.
26. Onsite verification was conducted with respect to cooperating producers and exporters and a verification report was issued to them for comments. The data verified with respect to these cooperating producers and exporters have been taken into account for the purpose of determination of individual dumping margin to them. It is also noted that weighted average exchange rate was used for the purpose of determining dumping and injury margin in the Preliminary finding. In this final finding, monthly exchange rate has been used for the purpose of determining dumping and injury margin.

27. In the absence of cooperation from the other producers/exporters in subject countries, the Authority has determined normal value on the basis of facts available in terms of Rule 6 (8) of AD Rules read with Article 6.8 of the Agreement.
28. Accordingly, the Authority has determined normal value, export price and dumping margin in respect of producers/exporters of the subject countries as follows.

General methodology followed for the responding exporters for determination of Normal Value

29. It has been contended by the Domestic Industry that there had been volatility of the prices of the subject goods during the Period of Investigation. The Authority has, therefore, done a month-wise analysis of the entire data for the determination of dumping margin and injury margin. Necessary data from the cooperating producers/exporters was called for undertaking the analysis on a month-wise basis which was submitted, and Dumping Margin and injury margin has been assessed on monthly basis.
30. The Authority has assessed the Normal Value based on the information submitted by the producers and exporters and in accordance with the Rules. It was first seen as to whether the domestic sales of the subject goods by the responding exporters/producers in their home markets were representative and viable for permitting determination of Normal Values on the basis of their domestic selling prices and whether the ordinary course of trade test was satisfied as per the data provided by the respondents. In their responses, the respondents have provided transaction-wise details of sales made in their home markets.. Further, all domestic sales transactions were examined with reference to the costs of production of the subject goods to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade. It was also seen whether the loss-making transactions account for over 20% of the sales or not.
31. Wherever the profitable domestic sales transactions were found to be accounting for more than 80% of the total sales, the weighted average price of the domestic sales have been taken into consideration. However, wherever the profitable sales volume were found to be less than 80%, the weighted average price of the profitable domestic sales has been taken into consideration.

M/s Taiwan Prosperity Chemical Corporation, (TPCC) (Producer & Exporter)

Normal value

32. M/s Taiwan Prosperity Chemical Corporation ("TPCC") is a company limited by shares established in accordance with the Company Law of Taiwan, Republic of China. M/s TPCC is a producer and exporter of subject goods from Taiwan, who has made domestic sales, as well as exports to India during POI. It is noted that M/s TPCC only has one factory which is located in Lin-Yuan District, Kaohsiung, which is involved in production of the product concerned. TPCC produces Phenol with Cumene as the primary raw material. The primary raw material used in the manufacturing of the product concerned is Cumene, which is mostly produced with Benzene and Propylene. Cumene is the primary raw material used to manufacture the product concerned. It is also noted that most of the Cumene consumed for production of the product concerned are produced by TPCC.
33. It is noted that M/s TPCC has sold *** Mt and Value *** (TWD) of the subject goods in the domestic market. The response filed by the company was examined and it is noted from the questionnaires response that the company has given month-wise costing. It is also noted that the SGA expenses have been claimed and apportioned on the basis of turnover. It is noted from examination of the response that the domestic sales meet the sufficiency test. The cost of production of the subject goods as indicated in Appendix-8B of the response has been accepted after verification conducted by the Authority. Adjustments thereof i.e. packing cost, loading charges, inland freight, credit cost have been allowed as verified by the Authority. Based on such a determination, the Normal Value has been worked out on a monthly basis.

Export Price

34. It is noted that the subject goods sold to India during POI by TPCC is sold through three ways i.e. one is direct exports from TPCC to Indian end-user, second is from TPCC to India through M/s Kolmar, Switzerland and third is from M/s TPCC to India through Mitsui & Co., Taiwan. But as Mitsui & Co., Taiwan has not filed responses, hence the channel which has been exported to India through Mitsui & Co., has not been considered for grant of separate dumping margin. It is also noted that exports to India through Kolmar, Switzerland and direct exports to India comprise more than ***% of the exports of subject goods to India. The Applicant has furnished information

in Appendix 2 relating to exports to India. It is noted that the company has sold *** (MT) with amount (USD ***) of subject goods to India during the period of investigation. Adjustments on account of various expenses i.e. commission, ocean freight, ocean insurance, packing costs, storage and handling, loading charges, credit expenses for arriving at the ex factory export price have been allowed after verifying the responses filed by the producer and exporter. The dumping margins has been worked out taking into account separate chain of exporters which are complete and in respect of exports made through exporters who have exported the subject goods to India and those who have made submitted the details relating to the export price to India. The month wise export price to India has been determined for TPCC through both the channels of exports to India.

M/s Formosa Chemicals & Fibre Corporation, Taiwan ("FCFC")(Producer & Exporter)

Normal value

35. Formosa Chemicals Fabrics Corporation ("FCFC") is a company limited by shares established in accordance with the Company Law of Taiwan, the Republic of China. It has been submitted that there has been no change in their structure in the last three years. M/s Formosa Chemicals Fabrics Corporation ("FCFC"), Taiwan is a producer/exporter of subject goods from Taiwan, who has done domestic sales as well as exports to India during POI. The subject goods which have been sold to India during POI by FCFC are sold through two channels one is direct FCFC to Indian customer and another is FCFC to India through M/s Kolmar, Switzerland.
36. M/s FCFC produces Phenol with Benzene and Propylene as the primary raw materials. Benzene is partly captively produced at FCFC's Aroma plant and partly imported, while Propylene is supplied by the oil refining plant of FPCC. FCFC uses imported Benzene. There are two channels of distribution in the domestic market. It has been claimed that in the domestic market, FCFC sells directly to end-users who purchases the product concerned for producing downstream products. FCFC also sells the product concerned to traders who locate, serve and maintain the customer base for their own businesses. It was noted that the company has sold *** (MT) (NTD ***) of subject goods in home market for POI. In domestic market ***% of subject goods have been sold to Non-affiliated and ***% of subject goods have been sold to affiliated parties. However, the unit prices for both affiliated as well as non affiliated parties are broadly similar.
37. The response filed by the company was examined and it is noted from the questionnaires response that the company has given month-wise costing. It is also noted that the SGA expenses have been claimed and apportioned on the basis of turnover. It is noted that the domestic sales meet the sufficiency test. The cost of production of the subject goods as indicated in Appendix-8B of the response has been accepted after verification conducted by the Authority. Adjustments thereof i.e. inland Freight, Transportation Fees, Ware Housing Expenses, Tech Service, Credit Cost have been allowed as verified by the Authority. Based on such a determination, the Normal Value has been worked out on a monthly basis.

Export Price

38. It is noted that the subject goods which have been sold to India during POI by FCFC is sold through two channels i.e one is direct exports of M/s FCFC to India and another is FCFC to India through M/s Kolmar, Switzerland. The Applicant has furnished information in Appendix 2 relating to exports to India. It was noted that the company has sold *** (MT) (US\$ ***) of subject goods in India during POI. The subject goods which have been sold to India during POI by FCFC is sold through two channels one is direct FCFC to Kundan Rice Mills (**%) and another is FCFC to Kolmar (**%), Switzerland. It was also noted that the export sales were made both to the trader and end user. It is also noted that all export sales are on FOB basis. Adjustments on account of various expenses i.e. Customs Clearance Fee, bank charges, harbor facility charge, harbor management fees, trade promotion service fee, harbor handling, shore tank fee, loading survey fee, warehousing fee for arriving at the ex factory export price have been allowed as noted from the submissions made by the producer and exporter. The dumping margins has been worked out taking into account separate chain of exporters which are complete and in respect of exports made through exporters who have exported the subject goods to India and those who have made submitted the details relating to the export price to India. The month wise export price to India has been determined for TPCC through both the channels of exports to India. The weighted average dumping Margin has been calculated by taking into account the quantity which has been exported to India by FCFC directly to India and also through M/s Kolmar, Switzerland.

M/s Kolmar Group AG Switzerland (Kolmar)

39. It is noted that M/s Kolmar Group AG., Switzerland, is an Exporter/Trader, who has exported subject goods to India during POI, which have been sourced from FCFC & TPCC who are cooperating producers and exporters in this investigations. Kolmar did not make the domestic sales of the product concerned and was only engaged in the exports of the product concerned. M/s Kolmar sourced subject goods from two producers/ exporters of Taiwan, FCFC & TPCC. It is noted that the Exporter has reported *** Invoices showing exports of *** MT of Phenol to India during the period of investigation. Out of that *** transactions are related to goods sourced from TPCC and remaining *** transactions are in respect of goods sourced from FCFC. Goods sourced both from FCFC and TPCC to Kolmar were on FOB basis but were sold to India from Kolmar on CFR and CIF basis. Out of total exports done by Kolmar, it has sourced ***% subject goods from FCFC and ***% from TPCC. Both the producers/exporters i.e. FCFC & TPCC have separately filed their questionnaire responses to the Designated Authority, so Dumping Margin & Injury Margin have been calculated separately for the subject goods which have been exported to India and which were sourced from FCFC & TPCC. It is noted that subject goods sold to India by Kolmar are on CIF basis. Adjustments on account of expenses i.e. ocean freight and insurance have been allowed as claimed in the response to the exporters questionnaire after verification conducted by the Authority.

Determination of Normal value and Export Price in respect of Non-Co-operative Exporters/Producers from Chinese Taipei

40. For working out dumping margin in respect of subject goods for the residual producers and exporters, the normal value determined on facts available basis has been compared with the net export price determined on the lower representative price level of the cooperating producers and exporters. The dumping margin and dumping margin % so arrived for the residual producers and exporters have been mentioned in the dumping margin table.

USA

Normal Value

41. It is noted that none of the producers and exporters from USA has responded to the Authority and none of them has submitted any response to the exporter's questionnaire. The petitioner had provided details of normal value in USA on the basis of price of subject goods as published in ICIS-LOR. It is noted that ICIS-LOR is the world's largest petrochemical market information provider and provides pricing data, high-value news, analysis and independent consulting, with over 30 years' experience of providing pricing information. In the absence of any response from the subject exporters, the Authority has determined normal value on the basis of price of subject goods as published in ICIS-LOR for all producers/exporters in USA in accordance with the Rule 6(8) supra.

Export Price

42. It is noted that none of the exporters from USA have responded to the Authority. The Designated Authority has considered information from the DGCI&S published data and has determined export price considering all imports of the product under consideration into India from USA. Price adjustments have been made on the basis of claims made by petitioner domestic industry in view of non cooperation from the exporters from USA.

Dumping Margin

43. The dumping margin has been worked out after comparing net export price with the normal value which was determined for every month for the POI. The dumping margin for the chain of producer and exporter has been arrived at by determining weighted average dumping margin for that channel of the producer and exporter.

Determination of Dumping Margin

44. After the analysis of the data, the dumping margin is worked out as mentioned in the table below.

Countries	Producer	Exporter	Dumping Margin (USD/MT)	Dumping Margin (%)	Wt avg Dumping Margin (USD/ MT)	Wt Avg Dumping Margin (%)	Dumping margin range
	Formosa	Formosa					

Taiwan	Chemicals and Fibre Corporation, Chinese Taipei.	Chemicals and Fibre Corporation, Chinese Taipei.	***	***	***	***	0-10
	Formosa Chemicals and Fibre Corporation, Chinese Taipei.	Kolmar Group AG Switzerland	***	***			
	Taiwan Prosperity Chemical Corporation., Chinese Taipei	Taiwan Prosperity Chemical Corporation., Chinese Taipei	***	***	***	***	0-10
	Taiwan Prosperity Chemical Corporation. Chinese Taipei	Kolmar Group AG Switzerland	***	***			
	All other producers and exporters from Chinese Taipei	All other producers and exporters from Chinese Taipei	***	***			10-20
USA	All producers and exporters from USA	All producers and exporters from USA	***	***			50-60

F. Injury**Views of Domestic Industry**

45. The domestic industry has submitted that:

- Imports have increased throughout the injury period. Volume of imports from the subject countries has increased substantially in absolute terms.
- The landed price of imports is significantly below the cost of production of the domestic industry throughout the injury period except 2010-11 and 2011-12.
- Whereas the demand for the product under consideration increased throughout the injury period, the sales of the Petitioner have declined after 2010-11.
- Despite increase in demand of the subject goods, production of the Domestic Industry declined significantly. Although production increased in 2010-11, it declined sharply thereafter.
- In spite of no capacity addition by domestic industry and sufficient demand in the country, Capacity utilization and production of the product under consideration has decreased considerably over the injury period.
- Domestic sales of the domestic industry have declined significantly despite increase in demand. Market share

- of the imports increased whereas that of domestic industry declined..
- vii. Domestic industry was able to earn profits upto 2011-2012, however, the imports have had so significantly suppressing effect on the prices of the domestic industry that the domestic industry has started suffering significant financial losses in the POI.
 - viii. Whereas both cost of production and selling prices increased in the POI. The increase in cost of sales is far more than the increase in selling price.
 - ix. The landed price of imports is significantly undercutting the domestic prices throughout the injury period.
 - x. Performance of the domestic industry has deteriorated in terms production, sales, capacity utilization, market share, profits, return on investments and cash profits to a very significant extent.
 - xi. The interested parties have been arguing in all phenol acetone cases that SI Group is not suffering injury and is therefore abstaining from participating. It has now been contended that SI Group has been added because it would lead to higher injury margin which is baseless.
 - xii. The procurement policy and pricing for major raw materials has not undergone any change.
 - xiii. The Rules requires the Designated Authority to consider only volume and price of imports not sold at dumping prices in the attribution analysis.
 - xiv. Despite anti dumping duty or safeguard duty in place on product under consideration since about a decade, these 2000 units of foundry industry have never represented themselves before the Designated Authority. No quantified statement has been provided on how the past duties have adversely impacted the industry and how the proposed duty shall adversely impact the industry
 - xv. In the comments to disclosure statement, the domestic industry has submitted that considering the huge demand in the country, HOCL has made efforts and is working on expansion of capacity in two phases (a) expansion of capacity for Phenol by 28000 MT and for Acetone by 15200 MT at investment of Rs. 120 crores, and (b) setting up of a new Phenol plant of 2 lacs per MT at a cost of Rs 1200 crores. It has been submitted that the determination of non injurious price is inappropriate and is leading to unduly low protection to the domestic industry. Followings are relevant in this regard. In this connection, it has been submitted that Net Fixed Assets cannot form the basis for determination of profits when the original phenol plant setup by the domestic industry is already fully depreciated. It has further been submitted that the rules do not prescribe the quantum of reasonable profits that the Designated Authority should consider. Given the high age of the plant, the Designated Authority should consider higher rate of return for the domestic industry.
 - xvi. On the issue of Optimization of raw material and utilities, it has been submitted that the authority is required to consider actual raw material and utilities consumption. Consumption of raw materials over the years depends on a number of complex factors and is not a result of inefficiency of the domestic industry. It has further been submitted that each of the constituents of the domestic industry is highly aware and is concerned about wastages and makes all possible efforts to improve the efficiencies, leave aside possible deterioration therein. In fact, there was no deterioration in its efficiencies with regard to raw materials and utilities. It has been further added that it would be inappropriate to ignore actual production and adopt any other production basis for determination of non injurious price and the authority is required to determine actual cost of production and not a notional lower cost of production in order to determine a price which can be compared with the import price in order to assess injury margin. The domestic industry has submitted that the anti dumping duty may be imposed as fixed quantum of anti dumping duty (fixed form of duty), expressed as duty in US\$/MT as the product is already attracting fixed quantum of anti dumping duty at present.

Views of other interested parties

46. The other interested parties have submitted the following:

- i. Investigation has been initiated in gross violation of Rules and misrepresentation of facts by HOCL. HOCL has sought protection from the Government of India by filing concocted information in its Petitions for imposition for Safeguards and ADD since the Government removed Quantitative Restrictions. The Government of India should examine in details performance of HOCL when there were quantitative restrictions and imports of Phenol were banned.
- ii. There are Insufficient capacities and the imports are inevitable. More than 70% of the demand of the product is necessary to be met by imports. HOCL can meet only 16% of demand and SI group is operating at more than 100% capacity, is a captive consumer and also importing Phenol.
- iii. There is non- participation by SI Group which clearly shows and establishes that it is not adversely affected by

- imports. Reason for HOCL's losses cannot be due to imports but other factors.
- iv. All exports cannot be said to have been dumped. This claim is exaggerated and misleading.
 - v. Prices of Phenol are determined globally (demand – supply basis). Further, any restriction (Anti Dumping Duty) by Indian Government will be in violation of WTO Agreement especially when petitioner company meets only 12% of the demand.
 - vi. HOCL has an old plant and inefficient production. HOCL has never updated and upgraded its age-old technologies and installed capacities and that is the main reason for its losses.
 - vii. There are inefficiencies of Public Sector Plant. HOCL is overstaffed. It has hired 300 persons in its Phenol Plant which produces around 100 Mt of Phenol daily if operating at Full capacity. Thus losses of HOCL are due to its own inefficiencies.
 - viii. Public Interest and users are made to suffer. Phenol is used in crucial downstream industries like Plywood, Particle Boards. Any move to impose ADD on Phenol will adversely affect these industries and consequently the employed persons. More than 2000 small and medium scale industries manufacture Plywood and Particle Board in India.
 - ix. The methodology of allocation of expenses between Acetone and Phenol keeps on changing between one investigations. Phenol is a joint product with Acetone. In every investigation HOCL has adopted different methodology to allocate cost to Phenol and Acetone. This needs to be examined by the Investigators in detail.
 - x. The production capacity available with the domestic industry is of 74,200 MT per annum of the subject goods against the demand in the domestic market of 2,25,556 MT as evidenced from the Preliminary Findings. Even at full capacity utilization domestic industry can meet maximum 32.89% of the demand in India.
 - xi. Institute of Indian Foundrymen that IIF is a National Level Apex industry body representing the foundry industry in India. Phenol is used for Resin for Sand preparation for Foundry Industry. This industry generates employment for approx. 2 millions. The Domestic Industry produces approx. 65,000 M/T per annum of Phenol whereas the requirement of total DI is approx. 2,50,000 MT for various industry segments. Any move to impose Anti-Dumping Duty on Phenol will further impact the cost competitiveness of the manufacturing industry specially the MSME's and will adversely impact exports of castings and will not be in national interest.
 - xii. The only reason for treating SI as domestic industry is to increase the NIP and Normal Value on account of the high depreciation cost, high consumption norms and higher return on capital employed of SI.
 - xiii. Comparison of PF and petition shows that, SI group's capacity utilization is 107% whereas DI's capacity utilization is 66%. Sales volume of SI has increased from base year.
 - xiv. PBIT of the HOCL alone was negative in POI. However, after including SI Group, profitability became positive in the POI. It means SI Group was earning significant profit during the POI.
 - xv. Increase in the domestic price in POI was much lower than the increase in landed price of subject imports from subject countries during same time. Performance of the domestic industry in terms of profit was worsened when price undercutting from subject countries were reduced.
 - xvi. Closing stock levels of subject goods have declined as compared to opening stock during the POI.
 - xvii. Wages of HOCL has abnormally increased in POI as compared to base year.
 - xviii. Figures for profit and loss (Rs/MT), profit and loss (Rs Lacs), PBIT (Rs. Lacs), Cash profits (Rs. Lacs) and ROCE (Rs. Lacs) in the written submission do not tally with preliminary findings.
 - xix. It has been submitted by the interested parties post disclosure that imports from South Africa are causing injury to the domestic industry.

Examination by the Authority

47. The Authority has taken note of various submissions of the interested parties on injury to the domestic industry and has analyzed injury to the domestic industry considering the facts available on record and applicable law as follows. The submissions made by the interested parties have been considered to the extent found relevant and have been examined as follows and in the relevant sections of this final finding.
 - i. With regard to the contention that imposition of Anti Dumping Duty will be in violative of WTO Agreement especially when petitioner company meets only 12% of the demand, the Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain all sources of supply at a fair market price. Imposition of anti dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Indian Rules or WTO Agreement does not contain any provision with regard to minimum share that the domestic industry must command in demand/consumption

- of the product in the Country before the domestic industry can seek redressal against dumping under the Rules.
- ii. With regard to the contention that M/s SI Group is not suffering injury, the Authority has analysed the data of both the companies. It is seen that M/s SI Group's performance has individually deteriorated significantly over the injury period because of dumped imports.
 - iii. With regard to the contention of changing methodology for allocation of expenses between Acetone and Phenol in different investigations, the Authority notes that methodology for allocation/apportionment of expenses between Acetone and Phenol has been consistent in different investigations conducted on these products by the Authority.
 - iv. As regards the contention that inefficiencies of HOCL is causing injury, the Authority notes that as contended by the domestic industry, despite existence of these alleged inefficiencies, HOCL was able to earn significant profits in 2010-11. Therefore, the deterioration in performance and consequent injury to the domestic industry cannot be attributed to these parameters.
 - v. With regard to the comments to disclosure statement by the interested party that interrupted supply and uncompetitive prices of the raw material are the key reasons for injury to HOCL, it is noted that domestic industry had submitted in the rejoinder submission that the procurement policy and pricing for major raw materials has not undergone any change. Furthermore, the interested party has not submitted any evidence to substantiate their claim.
 - vi. With regard to the fact that imports from South Africa are causing injury to the domestic industry, it is noted that the Authority is already investigating imports from South Africa in the separate sunset review investigation.
 - vii. With regard to the determination of NIP for the domestic industry, it is noted that same has been determined as per the principle based on Annexure III of the Anti dumping rules.
48. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
49. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry. Para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows:
- "The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."*
50. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.

Cumulative Assessment

51. Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: -
- a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country/ territory is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries is less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and;
 - b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

52. In the present case,

- The margin of dumping from each of the subject countries is more than the limits prescribed above;
- The volume of imports from each of the subject countries is more than the limits prescribed;
- Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market. It is noted that there is no submission made by any interested party disputing cumulative assessment in the present case.

53. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of imports.

54. The Authority has analyzed injury to the domestic industry after analyzing the information submitted by the interested parties.

Assessment of Demand

55. The Authority has determined demand as the sum of domestic sales of the domestic industry, sales of other Indian producers and imports of the subject goods in India from all sources. The demand so assessed is shown in the following table.

SN	Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
	Demand in India					
1	Sales of Domestic Industry	MT	73,493	80,041	67,380	64,714
2	Subject Countries	MT	47,269	61,178	87,423	1,24,268
3	Taiwan	MT	14,080	14,607	37,166	33,890
4	USA	MT	33,190	46,571	50,258	90,378
5	Countries Attracting ADD	MT	38,932	23,270	33,445	22,489
6	Other Countries-Imports	MT	11,880	34,088	20,677	14,087
7	Demand/Consumption	MT	171,574	198,577	208,925	2,25,557

56. The Authority notes that the demand of the subject goods has shown a positive trend throughout the injury period and has significantly increased during the injury period.

F. Volume Effect of dumped imports

a) Import Volumes and market share

57. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the import data procured from DGCIS. The volume of imports of the subject good from the subject countries have been analyzed as under:

A	Imports - (Volume)	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
	Subject Countries	MT	47,269	61,178	87,423	1,24,268
	Taiwan	MT	14,080	14,607	37,166	33,890
	USA	MT	33,190	46,571	50,258	90,378
	Countries Attracting ADD	MT	38,932	23,270	33,445	22,489
	Other Countries	MT	11,880	34,088	20,677	14,087
	Total Imports	MT	98,081	1,18,536	1,41,545	1,60,844
B	Market share in imports					
	Subject Countries	%	48.2	51.6	61.8	77.3
	Taiwan	%	14.4	12.3	26.3	21.1
	USA	%	33.8	39.3	35.5	56.2
	Countries Attracting ADD	%	39.7	19.6	23.6	14.0
	Other Countries	%	12.1	28.8	14.6	8.8
	Total Imports	%	100.0	100.0	100.0	100.0

	Imports in relation to consumption in India	%	57.17%	59.69%	67.75%	71.31%
	Imports in relation to production in India	%	134.64%	146.71%	209.70%	254.40%
C	Market Share in Demand					
	Sales of Domestic Industry	%	42.8	40.3	32.2	28.7
	Subject Countries	%	27.6	30.8	41.8	55.1
	Taiwan	%	8.2	7.4	17.8	15.0
	USA	%	19.4	23.5	24.1	40.1
	Countries Attracting ADD	%	22.7	11.7	16.0	10.0
	Other Countries-Imports	%	6.9	17.2	9.9	6.2
	Total Share	%	100.0	100.0	100.0	100.0

58. It is noted that the volume of subject goods from subject countries have increased significantly in absolute terms during injury period. Imports of the subject goods from countries already attracting ADD have declined during the same period. Further, the share of the subject countries in total imports into India has increased whereas the share of other countries has declined. It is further noted that subject imports in relation to consumption and production in India have also increased over the injury period.

Price Effect of the Dumped imports

Price Undercutting

59. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry USA.

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Net Sales Realization	Rs./MT	***	***	***	***
Landed Price	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
	% Range	20-30	10-20	10-20	5-15

Taiwan

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Net Sales Realization	Rs./MT	***	***	***	***
Landed Price	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
	% Range	0-10	0-10	0-10	5-15

Subject Countries

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Net Sales Realization	Rs./MT	***	***	***	***
Landed Price	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***
	% Range	10-20	10-20	5-15	5-15

60. It is noted that landed price of the subject goods from the subject countries is substantially below the selling price of domestic industry showing significant price undercutting being caused by the dumped imports from subject countries.

Price underselling

61. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject countries, as follows:

Particulars	UOM	USA	Taiwan	Subject countries
Non Injurious Price	Rs./MT	***	***	***
Landed Price	Rs./MT	***	***	***
Price Underselling	Rs./MT	***	***	***
	%	0-10	0-10	0-10

62. It is noted that the domestic industry has suffered significant price underselling during the investigation period on account of imports of the subject goods from the subject countries.

Price Suppression and Depression

63. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period:

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Cost of production	Rs./MT	***	***	***	***
Trend		100	121	133	152
Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend		100	150	140	141
Landed Price –subject countries	Rs./MT	52,621	82,317	80,476	83,789
Trend		100	156	153	159

64. The Authority notes that the selling price of the domestic industry was above the cost of production of the domestic industry up to 2011-12. Further, during the POI, there was significant increase in the input cost of the subject goods leading to significant increase in the cost of production of the domestic industry. However, landed value of imports of subject goods was below the cost of production during the injury period except 2010-2011 and 2011-12, as a result the domestic industry could not increase its selling prices commensurate with the increase in the cost of production. Thus, the domestic industry has suffered significant price suppression during POI. However, during the injury period, there was no price depression.

Economic parameters of the domestic industry

65. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury.
66. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

(a) Capacity, Production, Capacity Utilization and sales

35. Information on capacity, production, capacity utilization and sales volumes of the domestic industry has been as under:-

SN	Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
----	-------------	-----	---------	---------	---------	-----

1	Capacity	MT	74,200	74,200	74,200	74,200
2	Production	MT	72,850	80,796	67,500	63,224
3	Capacity utilization	%	98.18%	108.89%	90.97%	85.21%
4	Domestic Sales	MT	73,430	80,020	67,361	64,712

67. It is noted that the production and sales of domestic industry has increased up to 2010-11 and has thereafter declined significantly. It is further noted that despite sufficient demand in the market, the domestic industry is not able to utilize its capacity to the fullest.

(b) Market share

68. The effects of the dumped imports on the domestic sales and the market share of the domestic industry have been examined as below:

SN	Market Share in Demand	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
1	Sales of Domestic Industry	%	42.8	40.3	32.2	28.7
2	Subject Countries	%	27.6	30.8	41.8	55.1
	Taiwan	%	8.2	7.4	17.8	15.0
	USA	%	19.4	23.5	24.1	40.1
3	Countries Attracting ADD	%	22.7	11.7	16.0	10.0
4	Other Countries-Imports	%	6.9	17.2	9.9	6.2
	Total Share	%	100.0	100.0	100.0	100.0

69. It is noted that market share of domestic industry has declined throughout the injury period whereas market share of the subject countries have increased significantly.

(c) Profits, Return on Capital Employed and Cash Profit

70. The Profits, return on investment and cash flow of the domestic industry has been examined as under:

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Cost of production	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	121	133	152
Selling price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	150	140	141
Profit/Loss	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	571	233	-16
Profit/Loss	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	622	214	-14
Profit before Interest tax	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	546	199	8
ROCE	%	***	***	***	***
Trend	Index	100	473	204	10
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	574	203	-5

71. It is noted from the above that profits of the domestic industry has declined significantly in the POI. Even though there was an increase in profits in 2010-11, it declined significantly thereafter and it is noted that the domestic industry has suffered financial losses in the POI. The profit before interest, cash profit and return on investment in the POI also follows same trend as that of profits.

(d) Inventories

72. The data relating to inventory of the subject goods are shown in the following table:-

Inventories	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
-------------	-----	---------	---------	---------	-----

Opening Stock	MT	***	***	***	***
Closing stock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	2,086	2,142	2,520	1,871
Average Stock	Index	100	103	121	90

73. It is noted that the average stock has increased till 2011-12 and has thereafter declined in the POI.

(e) Employment and wages:

74. The status of employment levels and wages of the domestic industry is as follows:-

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
No. of Employees	Nos	***	***	***	***
Trend	Index	100	112	100	102
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	300	252	250

75. It is seen that both employment has marginally increased during the injury period while the wages show significant increase over the injury period.

(f) Productivity

76. The productivity of the domestic industry is given in the following table:

Particulars	UOM	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Productivity per Employee	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	98	93	85
Productivity per Day	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	111	93	87

77. It is noted that the productivity in terms of production per employee as well as production per day has decreased over the injury period in consonance with the decline in production.

(g) Magnitude of Dumping

78. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject countries are above de minimis and significant.

(h) Ability to raise capital

79. With regard to ability to raise investments, it is noted that the domestic industry has not made fresh investments in the product under consideration. Further, even though the demand is far in excess of the capacity with the domestic industry, the domestic industry is not able to utilize its capacity and is suffering losses.

(i) Factors Affecting Domestic Prices

80. Consideration of the import prices from the subject countries and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that the landed value of imported material from the subject countries is below the selling price and cost of production of the domestic industry, causing significant price undercutting and underselling in the Indian market. It is further noted that imports of subject goods from other countries are at much higher prices or are attracting anti dumping duty. There is no viable substitute to this product. It is also noted that demand for the subject goods was showing significant increase during the injury period and this could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is landed value of subject goods from subject countries and cost of raw materials.

(j) Growth

81. There has been significant growth in the import volumes of the subject goods from the subject countries. On examination of various economic parameters of the domestic industry, it is noted that both the volume parameters and price parameters showed improvement up to 2010-11 and has declined thereafter in the POI. The domestic industry incurred financial losses in the POI. Thus, overall growth of the domestic industry was adverse during the POI.

Conclusion on material injury

82. After examining the volume and price effects of imports of subject goods from subject countries and its impact on the domestic industry, it is noted that the dumped imports of the subject goods from the subject countries have

increased significantly in absolute terms as also in relation to production and consumption of the subject goods in India. After examining other volume parameters like sales, production and capacity utilization of the domestic industry, it is noted that domestic industry has suffered significant volume injury on account of dumped imports of subject goods from subject countries. Further, with regard to price effect on account of imports of subject goods from subject countries, it is noted that imports of the subject goods from subject countries are significantly undercutting the prices of domestic industry. Further, the domestic industry has suffered price suppression on account of imports of product under consideration from subject countries as sales price of subject goods could not increase in proportion to the increase in cost of production of subject goods during the injury period. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is concluded that the performance of the domestic industry has deteriorated in respect of production, capacity utilization, domestic sales, market share, profit, cash flow, and return on investment, productivity and inventories. The decline in profits, return on investment and cash flows is quite significant and material. Thus, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury

G. Other Known Factors & Causal Link

83. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting, underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined by the Authority to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry.

(a) Imports from third countries and other Known Factors

84. Imports from third countries were negligible or are already subject to anti dumping duties and could not have caused injury to the domestic industry. The Authority notes that most of imports of subject goods from countries other than the subject countries and countries attracting anti dumping duty were at a price higher than that from the subject countries.

(b) Contraction of demand and changes in the pattern of consumption

85. There has been a constant rise in demand of the product concerned throughout the injury period. Possible decline in demand is not as a possible reason of injury to the Domestic Industry.

(c) Developments in Technology

86. There is no allegation of developments in technology, nor has the investigation so far shown that possible injury to the domestic industry could have been caused by developments in technology.

(d) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

87. There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the Domestic Industry.

(e) Export performance of the domestic industry

88. It is noted that domestic industry is completely into domestic market and not exports. So this factor cannot be said to have caused injury to the Domestic Injury.

(f) Productivity of the Domestic Industry

89. The Authority notes that the productivity of the domestic industry in terms of production per employee and per day has declined over the period as a result of decline in production. The decline in production is due to increase in the imports of the subject goods in the Country.

Parameters establishing causal link

90. It is thus noted that while listed known other factors do not show that injury to the domestic industry has been caused by these factors, following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.

- a. The volume of dumped imports from the subject countries increased sharply resulting in increase in the share of dumped imports in demand of the product in India. Consequently, the domestic industry lost its market share.
- b. The imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry. Resultantly, the domestic industry was not able to increase its prices in line with the increase in the costs. Imports were thus resulting in price suppression being faced by the domestic industry in the POI.
- c. Imports of the product under consideration were undercutting the domestic prices, as a result of which the volume of imports increased. Resultantly, the domestic industry faced decline in production, capacity utilization and sales volumes in the POI.
- d. Performance of the domestic industry with regard to profits, cash flow and return on investments deteriorated.
- e. The level of dumping margins and injury margins as determined are considered significant.

H. Magnitude of Injury Margin

91. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry determined has been compared with the landed value of the exports from the subject countries for determination of injury margin during POI. The injury margin determined are as under:-

Countries	Producer	Exporter	Injury Margin (USD/MT)	Injury Margin (%)	Wt avg Injury Margin (USD/MT)	Wt avg Injury Margin (%)	Injury Margin% range
Chinese Taipei	Formosa Chemicals and Fibre Corporation,.	Formosa Chemicals and Fibre Corporation,.	***	***	***	***	0-10
	Formosa Chemicals and Fibre Corporation,.	Kolmar Group AG Switzerland	***	***			
	Taiwan Prosperity Chemical Corporation., Chinese Taipei	Taiwan Prosperity Chemical Corporation, Chinese Taipei	***	***	***	***	0-10
	Taiwan Prosperity Chemical Corporation. Chinese Taipei	Kolmar Group AG Switzerland	***	***			
	All other producers and exporters from Chinese Taipei	All other producers and exporters from Chinese Taipei	***	***			15-25
USA	All producers and exporters from USA	All producers and exporters from USA	***	***			0-10

I. Indian industry's interest & other issues:

92. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to reestablish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way; and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
93. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the antidumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. As regards the argument of Institute of Indian Foundryman on the impact on the cost competitiveness of the manufacturing industry, it is noted that, imposition of anti dumping duty will not bar imports into the country and the availability of the product will not be affected.

Recommendations

94. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that:
- The product under consideration has been exported to India from the subject countries below their normal values, thus resulting in dumping of the product.
 - The domestic industry has suffered material injury.
 - The material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject countries
95. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive duty is required to offset dumping and consequent injury pending completion of the investigation. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends imposition of definitive anti-

dumping duty on imports of the subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

96. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive antidumping duty as per amount specified in Col 8 of the table below is recommended to be imposed by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from subject countries.

Duty Table

S. No	Sub Heading or Tariff Item	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Currency	Unit
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	29071110	Phenol	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Formosa Chemicals and Fibre Corporation	Formosa Chemicals and Fibre Corporation	78.97	US\$	MT
2	29071110	Phenol	Chinese Taipei	Switzerland	Formosa Chemicals and Fibre Corporation	Kolmar Group AG	78.97	US\$	MT
3	29071110	Phenol	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Taiwan Prosperity Chemical Corporation	Taiwan Prosperity Chemical Corporation	47.29	US\$	MT
4	29071110	Phenol	Chinese Taipei	Switzerland	Taiwan Prosperity Chemical Corporation.	Kolmar Group AG	47.29	US\$	MT
5	29071110	Phenol	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Any combination other than S. No. 1 and to 4		196.24	US\$	MT
6	29071110	Phenol	Chinese Taipei	Any country other than Chinese Taipei and countries attracting Anti-dumping duties	Any	Any	196.24	US\$	MT
7	29071110	Phenol	Any	Chinese					

			country other than Chinese Taipei and countries Attracting anti	Taipei	Any	Any	196.24	US\$	MT
8	29071110	Phenol	USA	USA	Any	Any	159.63	US\$	MT
9	29071110	Phenol	USA	Any country other than USA and countries attracting anti dumping duties	Any	Any	159.63	US\$	MT
10	29071110	Phenol	Any country other than USA and countries attracting anti dumping duties	USA	Any	Any	159.63	US\$	MT

97. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 5th March, 2014.

98. An appeal against the findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

J K DADOO, Designated Authority